नई दिल्ली
बुधवार
25 नवम्बर 2026
वर्षः 13, अंकः 82
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की



वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड दोहरा शतक, भारत...पेज-06

DELHIN/2014/58158

बिहार के तीन विश्वविद्यालयों के निर्माणाधीन भवन...पेज-05

एक नजर

अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देती है गुरु परम्पराः राजनाथ

लखनऊ। गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व के अवसर पर मंगलवार को याहियागंज गुरुद्वारे में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने गुरुद्वारा पहुंचकर गुरु नानक देव के चरणों में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन की शुरुआत 'वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' के उद्घोष के साथ की। प्रकाश उत्सव की बधाई देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि सिख इतिहास में सेवा, करुणा और त्याग के साथ वीरता, शौर्य एवं बलिदान की गौरवशाली परंपरा भी दिखाई देती है। गुरु परंपरा हमें मानवता की सेवा, अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और धर्म एवं सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान, चार साहिबजादों की शहादत और गुरु गोबिंद सिंह जी का अदम्य साहस सिख इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि गुरुपर्व केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि त्याग, तपस्या, शौर्य और बलिदान को स्मरण करने का दिन भी है। गुरु नानक देव जी के संदेशों को जीवन में आत्मसात करना ही प्रकाश पर्व की सच्ची सार्थकता है। इस पावन अवसर पर गुरु घर के आंगन में मन श्रद्धा और शांति से भर जाता है। उन्होंने कहा कि मैं यहां जनप्रतिनिधि के रूप में नहीं बल्कि एक श्रद्धालु और सेवक के रूप में उपस्थित हूं। वाहेगुरु जी के चरणों में अरदास करता हूं कि सभी संगत खुशहाल रहे और देश अमन, चैन एवं एकता के साथ आगे बढ़ता रहे। उन्होंने अंत में एक बार फिर 'वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' का उद्घोष करते हुए सभी को शभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा एवं राम चंद्र प्रधान मौजूद रहे। सभी ने गुरुद्वारे में मत्था टेककर गुरु नानक देव जी को नमन किया तथा संगत के बीच बैठकर श्रद्धापूर्वक कीर्तन सुना।

देश के दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली,हि.स.। देश के मौसम में इन दिनों दोहरा मिजाज देखने को मिल रहा है जहां दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई है और रात के तापमान में गिरावट के आसार हैं, वहीं दक्षिण भारत के कई राज्यों में पूर्वी हवाओं के प्रभाव से भारी बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर के कई प्रमुख इलाकों में हवा की गुणवत्ता चिंताजनक बनी हुई है। आईटीओ का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 293, चांदनी चौक का 256, आनंद विहार का 206 और गाजियाबाद का 206 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी को दर्शाता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार 25 एवं 26 नवंबर को सुबह के समय कुछ जगहों पर धुंध या हल्का कोहरा छा सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 27 नवंबर को ठंड थोड़ी और बढ़ सकती है और न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होने के आसार हैं। बंगाल की खाड़ी, दक्षिण केरल और कोमोरिन क्षेत्र में सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण और पूर्वी हवाओं के ट्रफ के कारण दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में मौसम का मिजाज बदला रहेगा। 25 से 27 नवंबर के दौरान केरल, माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

शिरोमणि अकाली दल की राजग में वापसी

पंजाब में भाजपा के साथ मिल कर लड़ेगा चुनाव



नई दिल्ली,एजेंसी। शिरोमणि अकाली दल छह साल बाद मंगलवार को एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गया और उसने पंजाब में विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ने की घोषणा की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने मंगलवार को यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इस संबंध में घोषणा की। अकाली दल ने मोदी सरकार के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ सितंबर 2020 में भाजपा से अपना 24 साल पुराना नाता तोड़ लिया था। अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा भी दे दिया था। मोदी सरकार ने बाद में उन तीनों कानूनों को निरस्त कर दिया था। श्री बादल ने कहा कि यह महज एक राजनीतिक समझौता नहीं, बल्कि पंजाब के हित में बना एक 'भावनात्मक गठबंधन' है। उन्होंने कहा कि अकाली दल कोई नया राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि 106 वर्षों के गौरवशाली इतिहास के साथ भारत की सबसे पुरानी पार्टियों में से एक है। देश की आजादी के संग्राम से लेकर पंजाब की प्रगति और कल्याण तक में इस ऐतिहासिक पार्टी का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह गठबंधन राज्य की सुख-शांति, समृद्धि और विकास को समर्पित है।

भाजपा और अकाली दल के शीर्ष नेताओं की उपस्थिति में श्री शाह ने अकाली दल के राजग में पुनः शामिल होने की घोषणा की। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'जब पूरा देश श्री गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व मना रहा है, ऐसे समय में हम सभी के लिए आनंद का विषय है कि हमारा सबसे पुराना साथी शिरोमणि अकाली दल फिर से हमारे साथ आया है।' उन्होंने श्री बादल और अकाली दल के सभी नेताओं का राजग में स्वागत किया। श्री शाह ने कहा कि पंजाब में आगामी विधानसभा का चुनाव भाजपा और अकाली दल मिलकर लड़ेंगे और आज से अकाली दल राजग के साथी के रूप में काम करेगा। गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे के बारे में बातचीत बाद में होगी। श्री नवीन ने कहा कि पंजाब और देश के हित में एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा रहा है। प्रकाश पर्व के अवसर पर पूरे पंजाब में विकास, न्याय और सुशासन का प्रकाश फैलेगा। उन्होंने कहा, 'मैं सुखबीर सिंह बादल जी और उनकी पार्टी के सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। राजग गठबंधन में आपके शामिल होने से हमें मजबूती मिलेगी। हम पंजाब के युवाओं के लिए उनके अपने राज्य में रोजगार के अवसर पैदा करने, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और विकासोन्मुखी सरकार बनाने का संकल्प लेते हैं।' भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'हम पंजाब को (जिसका साहस, वीरता, समृद्धि और बहादुर सपूतों का गौरवशाली इतिहास रहा है) एक विकसित राज्य बनाने की दिशा में आगे ले जाएंगे। एक विकसित पंजाब, 'विकसित भारत' के निर्माण के सपने में अमूल्य योगदान देगा।'

उन्होंने कहा कि हिंदू-सिख एकता का विषय सिख गुरुओं द्वारा दिए गए बलिदानों से भी जुड़ा है। वर्ष 1675 में गुरु तेग बहादुर जी ने कश्मीरी पंडितों की रक्षा करने और धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उन्होंने कहा कि इसी बलिदान ने उन्हें वह सम्मान और आदर दिलाया, जो हिंदू-सिख सद्भाव से जुड़ा है। श्री नवीन ने कहा, 'आज, मुझे विश्वास है कि हम इन संदेशों को समाज और पूरे पंजाब तक पहुंचाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से सिख समुदाय के सम्मान और पंजाब के विकास के लिए लगातार योगदान दिया है, उससे मुझे बहुत भरोसा मिलता है।

अकाली दल की राजग में वापसी, पंजाब के विकास को मिलेगी नई गतिः मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिरोमणि अकाली दल की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी का स्वागत करते हुए मंगलवार को कहा कि पंजाब और पंजाबियों के कल्याण को सर्वोपरि रखने वाला यह स्वाभाविक गठबंधन राज्य में जनहितैषी शासन सुनिश्चित करेगा और उसे प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। मोदी ने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर अकाली दल की राजग में वापसी को विशेष बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि उन्हें बेहद खुशी है कि शिरोमणि अकाली दल राजग परिवार में लौट रहा है और वह भी श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के दिन। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारा गठबंधन स्वाभाविक है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि पंजाब में जनहितैषी शासन हो और राज्य प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुए।' उन्होंने कहा कि पंजाब और पंजाबियों का कल्याण गठबंधन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मोदी ने अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पुराने गठबंधन का उल्लेख करते हुए कहा कि इस गठबंधन को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और शिरोमणि अकाली दल के दिवंगत नेता सरदार प्रकाश सिंह बादल ने आगे बढ़ाया था।

अकाली दल की राजग में वापसी पंजाब के लिए स्वाभाविक और आवश्यकः शाह

नई दिल्ली,हि.स.। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शिरोमणि अकाली दल की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी का स्वागत करते हुए मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अकाली दल का गठबंधन केवल राजनीतिक गठबंधन नहीं बल्कि साझा विरासत और संकल्प पर आधारित स्वाभाविक साझेदारी है, जिसने हमेशा पंजाब में शांति और प्रगति को प्राथमिकता दी है। शाह ने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल और उनके सभी साथियों का राजग में वापसी पर हृदय से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दोनों दलों का फिर एक मंच पर आना स्वाभाविक भी है और पंजाब के लिए आवश्यक भी है। गृह मंत्री ने कहा कि नशामुक्त पंजाब का निर्माण, गैंगस्टरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के लिए सख्त कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करना, राज्य का आर्थिक विकास और किसानों की समस्याओं का समाधान राजग की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं।

भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था एक दशक से भी कम समय में 40-45 अरब डॉलर तक पहुंचेगी: डॉ. जितेंद्र सिंह



नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार है। वर्तमान में करीब 9 अरब डॉलर की भारतीय अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था एक दशक से भी कम समय में बढ़कर 40 से 45 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली में पांचवें इंडिया इंटरनेशनल स्पेस कॉन्क्लेव-2026 को संबोधित कर रहे थे।

सम्मेलन में इसरो के अध्यक्ष एवं अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन, इन-स्पेस के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार गोयनका, इंडियन स्पेस एसोसिएशन के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अनिल कुमार भट्ट (सेवानिवृत्त) सहित अंतरिक्ष उद्योग से जुड़े कई प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष तकनीक का महत्व केवल रॉकेट प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण और अंतरिक्ष अभियानों तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक आर्थिक योगदान उन बचतों, सुविधाओं और बेहतर परिणामों में भी दिखाई देता है, जो विभिन्न क्षेत्रों में इसके इस्तेमाल से मिलते हैं। उन्होंने पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उदाहरण देते हुए कहा कि अंतरिक्ष आधारित तकनीक बुनियादी ढांचे की बेहतर योजना बनाने, परियोजनाओं को समय पर पूरा करने, लागत घटाने और संसाधनों की बर्बादी तथा लीकेज कम करने में मदद कर रही है। अंतरिक्ष तकनीक का उपयोग निर्माण, संचार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रेलवे, रक्षा और लगभग हर मंत्रालय के कामकाज में किया जा सकता है। प्रश्नोत्तर सत्र में डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि अंतरिक्ष उद्योग में मांग की कमी की धारणा का एक बड़ा कारण इसके व्यावहारिक उपयोगों के प्रति जागरूकता का अभाव है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष तकनीक के माध्यम से बुनियादी ढांचे, संचार और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार किया जा सकता है। तकनीकी आत्मनिर्भरता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बीच संतुलन पर उन्होंने कहा कि दोनों एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। भारत को स्वदेशी तकनीक, स्वदेशी संसाधनों और स्वदेशी परियोजनाओं को मजबूत करने के साथ लाभकारी अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के लिए भी खुले रहना चाहिए।

शैक्षणिक उत्कृष्टता का लाभ समाज की प्रगति में दिखना चाहिएः उपराष्ट्रपति



नई दिल्ली,एजेंसी। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को उभरती आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग और साझेदारी मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता का वास्तविक लाभ समाज की प्रगति में दिखाई देना चाहिए। उपराष्ट्रपति भवन में लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (एलएसई), दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ (आईईजी) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के आदान-प्रदान समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने यह बात कही। वह दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं।

राधाकृष्णन ने तीनों प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच इस सहयोग को उनकी शैक्षणिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध क्षमताओं और नीतिगत अनुभव को एक मंच पर लाएगी, जिससे वर्तमान समय की प्रमुख आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का समाधान तलाशने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपनी शोध क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति बेहतर बनाने के प्रयास करने चाहिए, ताकि देश के युवाओं को सर्वोत्तम अवसर मिल सके। आज के युवाओं को उपलब्ध अवसरों का पूरा लाभ उठाते हुए देश के विकास में सार्थक योगदान देना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रस्तावित सहयोग के तहत शैक्षणिक आदान-प्रदान, संयुक्त शोध, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। इससे परस्पर सीखने और ज्ञान सृजन के नए अवसर खुलेंगे। उन्होंने तीनों संस्थानों के संयुक्त शोध प्रारंभिक कोष (सीड फंड) बनाने के प्रस्ताव का विशेष रूप से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सतत विकास, कृत्रिम मेधा (एआई), सार्वजनिक नीति, भू-राजनीति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार जैसे क्षेत्रों में संयुक्त शोध समकालीन चुनौतियों के लिहाज से अत्यंत प्रासंगिक है। इससे युवा शोधकर्ताओं को प्रोत्साहन मिलेगा, मौलिक शोध को बढ़ावा मिलेगा और व्यावहारिक नीतिगत सुझाव तैयार करने में मदद मिलेगी।

तमिलनाडु में कपड़ा क्षेत्र को मिलेगी नई रफ्तार, गिरिराज सिंह ने बुनकर कल्याण और निर्यात बढ़ाने पर दिया जोर

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने तमिलनाडु के दो दिवसीय दौरे में राज्य में कपड़ा और रेशम उत्पादन क्षेत्र की पहलों की गहन समीक्षा की। उन्होंने औद्योगिक विकास, बुनकरों की आय बढ़ाने, उत्पाद विविधीकरण और कपड़ा निर्यात को प्रोत्साहित करने पर विशेष जोर दिया।



गिरिराज सिंह ने दौरे के अंतिम दिन मंगलवार को चेन्नई में केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों एवं उद्योग प्रतिनिधियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में विरुधुनगर स्थित 'पीएम मित्र पार्क' की प्रगति, कांचीपुरम के रेशम उत्पादों के विविधीकरण, नए जमाने के फाइबर (न्यू-एज फाइबर) को बढ़ावा देने और सफल कांचीपुरम क्लस्टर मॉडल को अन्य कपड़ा क्षेत्रों में लागू करने पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता जताई। इससे पहले उन्होंने सोमवार को चेन्नई में 27वें अंतरराष्ट्रीय सेरीकल्चर एवं सिल्क इंडस्ट्री कांग्रेस और सिल्क मार्क एक्सपो 2026 के उद्घाटन के बाद कांचीपुरम का दौरा किया। मंत्री ने 'पेरारिग्नार अन्ना हैंडलूम सिल्क पार्क' में हथकरघा इकाइयों का निरीक्षण किया और प्रकाश सिल्क्स एंड साड़ियों के उत्पादों को देखा। उन्होंने बुनकरों और निदेशक मंडल के साथ बातचीत कर उनकी समस्याएं और उपलब्ध सुविधाएं जानीं।

यूपी विस चुनावः सपा ने कांग्रेस को 26 सीटों का प्रस्ताव दिया

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर दूसरे दौर की बातचीत मंगलवार को भी जारी रही। करीब साढ़े तीन घंटे चली बैठक में दोनों दलों ने सीट-दर-सीट चर्चा की लेकिन अभी कोई अंतिम सहमति नहीं बनी है। सपा ने कांग्रेस को शुरुआती तौर पर 26 सीटों का प्रस्ताव दिया है, जबकि कांग्रेस 100 से 140 सीटों के बीच चुनाव लड़ने की मांग कर रही है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने बैठक के बाद बातचीत को सकारात्मक और सार्थक बताया। उन्होंने कहा कि जल्द ही दोनों दल अगले दौर की बैठक की तारीख तय करेंगे।

आराधना मिश्रा ने कहा कि आज गठबंधन के बीच सीट-दर-सीट सकारात्मक चर्चा हुई है। सभी सीटों पर एक-एक कर बातचीत की गई है और यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों का मत है कि सभी सीटों पर चर्चा होनी चाहिए।

दूसरे दौर की बैठक में सीट-दर-सीट चर्चा; जल्द फिर होगी बैठक



गठबंधन को मजबूती से आगे बढ़ाया जाएगा और जल्द ही इसकी घोषणा कर चुनाव की तैयारियां शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि साढ़े तीन घंटे चली बैठक में सीटों पर चर्चा हुई है और अभी बातचीत समाप्त नहीं हुई है। अगली बैठक की तारीख जल्द तय की जाएगी। सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने कांग्रेस को 26 सीटों का प्रस्ताव देने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इनमें 20 ऐसी सीटें शामिल हैं, जहां पिछले विधानसभा चुनाव में सपा को 60 से 70 हजार वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस को करीब दो हजार वोट मिले थे। सपा सांसद राजीव राय ने भी कहा कि सीटों की संख्या को लेकर चर्चा होगी और उनकी पार्टी ने कांग्रेस को 26 सीटों का प्रस्ताव दिया है। सपा सांसद इकरा हसन ने बातचीत को सार्थक और सकारात्मक बताते हुए कहा कि सीट बंटवारे की चर्चा में दोनों पक्ष अपनी-अपनी ओर से प्रस्ताव रखेंगे। अंतिम फैसला दोनों दलों का नेतृत्व मिलकर करेगा। उन्होंने कहा कि बातचीत अभी शुरू हुई है और इसमें एक-दो दिन और लग सकते हैं। दोनों पक्षों के प्रस्तावों पर चर्चा के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। सपा के प्रस्तावित 26 सीटों में कांग्रेस की पिछली बार जीती गई दो सीटें और वे चार सीटें शामिल हैं, जहां पार्टी दूसरे स्थान पर रही थी। इसके अलावा 20 ऐसी सीटें प्रस्तावित हैं, जहां पिछले चुनाव में सपा को 60 से 70 हजार वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस करीब दो हजार वोटों पर सिमट गई थी। सपा ने इन सीटों के चयन में 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन को आधार बनाया है। पार्टी का कहना है कि शुरुआती प्रस्ताव के अलावा अन्य सीटों पर भी चुनावी समीकरण और उम्मीदवारों की जीत की संभावनाओं के आधार पर बातचीत की जा सकती है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने पहले 181 सीटों की सूची तैयार की थी, जिसे घटाकर अब 130 सीटों पर लाया गया है। हालांकि, कांग्रेस 100 से 140 सीटों के बीच चुनाव लड़ने की मांग पर कायम है। पार्टी इसके लिए 2017 के सपा-कांग्रेस गठबंधन का हवाला दे रही है, जब कांग्रेस ने 105 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ा था। सपा की ओर से करीब 130 सीटों पर कांग्रेस से जीत की संभावनाओं और संभावित उम्मीदवारों के जातीय तथा स्थानीय समीकरणों का ब्योरा मांगे जाने की बात भी सामने आई है।

दिल्ली में युवाओं व महिलाओं को मिलेगा अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार युवाओं और महिलाओं को कौशल, रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने के लिए महत्वाकांक्षी परियोजना को आकार देने जा रही है। शालीमार बाग में अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र विकसित किया जाएगा, जहां युवाओं को आधुनिक तकनीक और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही, महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए तैयार किया जाएगा। विशेष रूप से 12वीं पास युवाओं के लिए आईटीआई की तर्ज पर रोजगारपरक तकनीकी पाठ्यक्रम और महिलाओं के लिए बेकरी, ब्यूटी, फैशन, सिलाई और अन्य व्यावहारिक कौशल से जुड़े शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य प्रशिक्षण को केवल प्रमाणपत्र तक सीमित न रखकर उसे रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाना है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं में दिल्ली के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना शामिल है। शालीमार बाग में बनने वाला यह केंद्र इसी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां प्रशिक्षण को बाजार की मांग और उद्योगों की जरूरतों से जोड़ते हुए युवाओं को आधुनिक कार्यक्षेत्र के लिए तैयार किया जाएगा। महिलाओं को अपनी रुचि, क्षमता और पारिवारिक परिस्थितियों के अनुरूप कौशल सीखने तथा स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के अवसर मिलेंगे। केंद्र में लचीली समय-सारणी, सप्ताहांत बैच और ऑनलाइन-ऑफलाइन प्रशिक्षण की सुविधा भी प्रस्तावित है, जिससे घरेलू जिम्मेदारियों के कारण प्रशिक्षण से वंचित रहने वाली महिलाएं भी अपने हुनर को निखार सकेंगी। यह केंद्र न केवल युवाओं के लिए कौशल विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाकर मुख्यधारा से जोड़ने में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस केंद्र के आधुनिक भवन का निर्माण दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) लगभग आठ एकड़ क्षेत्र में करेगा। डेसू कॉलोनी के पास बनने वाले इस केंद्र में स्मार्ट क्लासरूम, 14 अत्याधुनिक लैब व प्रशिक्षण केंद्र, लाइब्रेरी और लर्निंग रिसोर्स सेंटर, 250 व्यक्तियों की क्षमता वाला मल्टीपर्पज ऑडिटोरियम, कॉन्फ्रेंस और प्लेसमेंट आदि से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्रशिक्षण के लिए डिजिटल एवं आईटी लैब, फैशन और टेक्सटाइल लैब, सिलाई एवं हस्तशिल्प, ब्यूटी-वेलनेस, बेकरी एवं फूड प्रोसेसिंग,



हेल्थकेयर आदि से संबंधित आधुनिक उपकरण उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि परिसर से सटे लगभग दो एकड़ क्षेत्र में हॉर्टिकल्चर प्रशिक्षण मैदान भी विकसित किया जाएगा, जहां पौधों की देखभाल, पौध स्वास्थ्य और लैंडस्केपिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। दिल्ली के दूर-दराज के क्षेत्रों और बाहर से आने वाले छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वहां हॉस्टल एवं आधुनिक स्पोर्ट्स फैसिलिटी विकसित करने की योजना भी है ताकि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं को एक संपूर्ण और सुलभ शैक्षणिक माहौल मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में महिलाओं के लिए फैशन डिजाइन, सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटीशियन, हेयर स्टाइलिंग, बेकरी, फूड प्रोसेसिंग और हस्तशिल्प जैसे पाठ्यक्रम विशेष रूप से उपयोगी होंगे। प्रशिक्षण के बाद महिलाएं नौकरी करने के साथ अपना बुटीक, ब्यूटी सलून, बेकरी, टिफिन सेवा या अन्य व्यवसाय शुरू कर सकेंगी। महिला उद्यमिता एवं इनक्यूबेशन सुविधा के माध्यम से उन्हें व्यवसाय शुरू करने के लिए मार्गदर्शन, मेंटरशिप, बाजार से जुड़ाव और वित्तीय सहायता के अवसरों से जोड़ने की व्यवस्था प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि कामकाजी माताओं की सुविधा के लिए परिसर में 25-25 बच्चों की क्षमता वाली दो क्रैच यूनिट तथा प्राथमिक चिकित्सा के लिए मेडिकल सिक-बे भी बनाया जाएगा। इससे महिलाओं को प्रशिक्षण के दौरान बच्चों की देखभाल की चिंता से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस केंद्र का अकादमिक एवं तकनीकी संचालन सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत आने वाले डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र के माध्यम से किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे (एनएसक्यूएफ) और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के मानकों के अनुरूप उद्योग आधारित व्यावहारिक कौशल पर केंद्रित होंगे।

घर में आर्थिक तंगी और पिता की डांट से परेशान होकर दिल्ली पहुंचीं दो बहनें

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। घर में आर्थिक तंगी और पिता की डांट से परेशान होकर मध्य प्रदेश की दो बहनें बिना बताए दिल्ली आ गईं। दोनों की उम्र 10 और 17 साल है। यहां वे रोजगार की तलाश में भटक रही थीं। करीब दो महीने पहले गश्त के दौरान सेंट्रल जिला पुलिस की नजर दोनों पर पड़ी। पुलिसकर्मियों ने उन्हें सुरक्षित संरक्षण में लेकर उनकी काउंसलिंग शुरू की। शुरुआत में दोनों ने अपने परिवार और पते के बारे में कुछ भी बताने से इनकार कर दिया।

करीब दो महीने की लगातार कोशिशों और महिला पुलिसकर्मियों की समझाइश के बाद दोनों ने अपनी पहचान और घर का पता बताया। पुलिस ने उनके पिता से संपर्क कर 23 नवंबर को दोनों बहनों को सीडब्ल्यूसी के निर्देश पर उन्हें सौंप दिया। पुलिस के मुताबिक 17 सितंबर को एसआई किरण सेठी, महिला कांस्टेबल रीना और सुनीता के साथ इलाके में गश्त कर रही थीं। इसी दौरान उनकी नजर ई-रिक्शा से उतरकर अकेले जा रही दो लड़कियों पर पड़ी। दोनों डरी और सहमी हुई नजर आ रही थीं। पुलिस टीम ने उनसे बातचीत की तो वे अपने बारे में कुछ बताने को तैयार नहीं हुईं। महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें भरोसा दिलाया कि पुलिस उनकी मदद और सुरक्षा के लिए है। इसके बावजूद दोनों ने अपने नाम, पते और परिवार के संपर्क नंबर की जानकारी नहीं दी। उनकी सुरक्षा को देखते हुए उसी दिन दोनों को उड़ान शेल्टर होम में सुरक्षित रखा गया। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों ने लगातार उनकी काउंसलिंग की। करीब दो महीने तक धैर्य और संवेदनशीलता के साथ बातचीत करने के बाद दोनों का भरोसा जीता जा सका। उन्होंने बताया कि वे मध्य प्रदेश की रहने वाली हैं और घरवालों को बिना बताए दिल्ली आ गई थीं। बातचीत में दोनों बहनों ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इस वजह से उनके पिता अक्सर तनाव में रहते थे और उन्हें डांटते थे। उनका आरोप था कि पिता कभी-कभी थप्पड़ भी मारते थे।

घर के हालात से परेशान होकर दोनों ने दिल्ली आने और काम करके अपने पैरों पर खड़े होने का फैसला किया था। इसके बाद पुलिस ने उनके पिता की तलाश शुरू की। लगातार प्रयास और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने उनके पिता से संपर्क कर बेटियों के सुरक्षित मिलने की सूचना दी। 23 नवंबर को पिता को दिल्ली बुलाया गया। दोनों बहनों को शेल्टर होम से लाकर बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के सामने पेश किया गया। पिता की पहचान और जरूरी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद समिति के निर्देश पर दोनों को उन्हें सौंप दिया। उन बहनों की हौसला अफजाई के लिए सेंट्रल जिला पुलिस ने उसे स्कूल बैग, किताबें, कॉपियां, पेन, पेंसिल और रंगों का सेट दिया, ताकि वह दोबारा पढ़ाई शुरू कर सके।

गुरु पर्व पर केजरीवाल ने गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में माथा टेका

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को गुरु पर्व पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में माथा टेककर गुरु साहिब का आशीर्वाद लिया। इस दौरान तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर केजरीवाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी का पूरा जीवन मानवता के लिए एक संदेश है। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही समाज में प्रेम, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जा सकता है। गुरु साहिब की शिक्षाएं कठिन परिस्थितियों में भी हमें सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देती हैं। गुरु पर्व के अवसर पर सभी को 'किरत करो, नाम जपो और वंड छको' के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर देशवासियों और उनके अनुयायियों को शुभकामनाएं भी दीं। विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने अपनी दिव्य वाणी और शिक्षाओं के माध्यम से पूरी मानवता को सत्य, प्रेम, समानता और भाईचारे का मार्ग दिखाया। उनके बताए तीन सिद्धांत आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं। ईमानदारी और मेहनत से आजीविका कमाना, ईश्वर का स्मरण करना तथा अपनी कमाई और खुशियों को दूसरों के साथ बांटना उनकी शिक्षाओं का मूल संदेश है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की शिक्षाएं मानवता की सेवा, सभी धर्मों के सम्मान, जाति-पाति से ऊपर उठकर समानता और आपसी प्रेम का संदेश देती हैं।

नितिन नवीन ने गुरु नानक जयंती पर गुरुद्वारा रकाबगंज में माथा टेका

नई दिल्ली,एजेंसी। गुरु नानक देव जी की 557वीं जयंती के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को दिल्ली स्थित गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में माथा टेका। उन्होंने गुरुद्वारे में अरदास की और कीर्तन भी सुना। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली सरकार के मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा भी उनके साथ मौजूद रहे। गुरुद्वारा प्रबंधन की ओर से सिख परंपरा के अनुसार नितिन नवीन को सम्मान स्वरूप सरोपा भेंट किया गया।

गुरुद्वारा परिसर में उपस्थित संगत को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने मानवता को 'एक ओंकार, एक ज्योति' का संदेश दिया। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और भेदभाव को मिटाकर समाज को 'नाम जपो, कीरत करो, वंड छको' का मार्ग दिखाया। गुरुजी की शिक्षाएं आज भी मानवता, समानता, सेवा और परोपकार की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार गुरु नानक देव जी के आदर्शों पर



चलते हुए अंत्योदय और 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को साकार करने की दिशा में काम कर रही है। गुरु नानक देव की जयंती पर कामना है कि उनका प्रकाश सभी के जीवन को करुणा, परिश्रम और परोपकार से आलोकित करे तथा भारत विश्वगुरु बने। हर्ष मल्होत्रा ने भी गुरु नानक जयंती पर दिल्लीवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गुरु जी ने प्रेम, भाईचारे और सेवा का संदेश दिया। दिल्ली भाजपा उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने संगत को प्रकाश पर्व की बधाई देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी का संदेश 'सबका भला' ही सरकार का संकल्प है।

उन्होंने कहा कि गुरुद्वारों की मर्यादा और सिख विरासत के संरक्षण के लिए सरकार सदैव तत्पर है। इस मौके पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने नितिन नवीन का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी के दिखाए मार्ग पर चलकर ही देश एकता और भाईचारे की डोर में बंध सकता है। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशीष ऊषा अग्रवाल, विधायक सरदार तरविंदर सिंह मारवाह, निगम पार्षद योगिता सिंह, पंजाबी एकेडमी के उपाध्यक्ष सरदार इमप्रीत सिंह बख्शी, दिल्ली भाजपा प्रवक्ता यासिर जिलानी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और संगत उपस्थित रहे।

शकरपुर में चोरी करने के मामले में एक आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने शकरपुर में घर में घुसकर सोने-चांदी के गहने और मोबाइल चोरी करने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित राज हलदर के पास से चोरी किए गए तीन पीली धातु के हार, करीब तीन जोड़ी बालियां और वारदात के समय पहने गए कपड़े भी बरामद किए हैं। इस मामले में उसका एक साथी अभी फरार है। उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक शकरपुर निवासी राहुल कुमार ने शिकायत दी थी कि 8-9 नवंबर की दरमियानी रात करीब 2-3 बजे के बीच कुछ आरोपित घर में घुसकर सोने-चांदी के गहने और सैमसंग मोबाइल फोन चोरी कर फरार हो गए। शिकायत पर नौ नवंबर को शकरपुर थाने में ई-एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें दो संदिग्धों की पहचान हुई। इनमें से एक ने वारदात के समय काली जैकेट पहनी हुई थी। सीसीटीवी फुटेज से मिले सुराग और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने 20 नवंबर को राज हलदर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से सीसीटीवी में दिख रही काली जैकेट भी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित ने अपने एक साथी के साथ मिलकर चोरी करने की बात स्वीकारी। पुलिस ने एक दिन की रिमांड के दौरान उसकी निशानदेही पर चोरी के तीन पीली धातु के हार (एक टूटा हुआ) और तीन जोड़ी तथा एक बाली बरामद की। आरोपित को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसको न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपित पहले भी नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम (एनडीपीएस) के एक मामले में शामिल रहा है। फरार साथी की गिरफ्तारी और चोरी के बाकी सामान की बरामदगी के लिए छापेमारी जारी है।

उज्जैन में मस्जिदों, शाही कब्रों और धार्मिक स्थलों का विध्वंस अवैध और असंवैधानिक : मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकुंभ की व्यवस्था के नाम पर प्राचीन और ऐतिहासिक शाही मकबरे, कलंदरी मस्जिद, एक दर्जन से अधिक मस्जिदों, मंदिरों और अन्य संपत्तियों को ध्वस्त करने की कड़ी निंदा की है। बोर्ड ने इस कार्रवाई को अवैध, अन्यायपूर्ण और भारत के संविधान के मूल सिद्धांतों के विपरीत बताया। मुस्लिम पर्सनल लॉबोर्ड के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने इस कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 2028 में महाकुंभ की व्यवस्थाओं के नाम पर ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों और प्राचीन इमारतों को ध्वस्त करना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

☐ बोर्ड ने विध्वंस की कड़ी निंदा की, पीड़ितों को हर संभव कानूनी और नैतिक सहायता देने का ऐलान



उन्होंने कहा कि 21 नवंबर को सुबह करीब 5 बजे रेलवे प्रशासन ने भारी पुलिस बल और अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी में माधवनगर रेलवे स्टेशन के बाहर शाही मकबरे, कलंदरी मस्जिद, एक दर्जन से अधिक धर्मस्थलों और अन्य संपत्तियों पर बुलडोजर चला दिया। यह कार्रवाई जल्दबाजी में और कानूनी आवश्यकताओं की अनदेखी करते हुए की गई। उन्होंने कहा कि रेलवे प्रशासन ने कलंदरी मस्जिद, शाही मकबरे, कई धार्मिक स्थलों और संरक्षक के आवास को भी ध्वस्त कर दिया। उन्होंने बताया कि वक्फ कमेटी के अध्यक्ष काजी मौलाना आरिफ नदवी के अनुसार उक्त जमीन से जुड़ा मामला अभी भी भोपाल वक्फ ट्रिब्यूनल में लंबित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक व्यक्ति को फर्जी किरायेदार घोषित करके इस कार्रवाई को सुविधाजनक बनाया गया और सुबह के शुरुआती घंटों में तोड़फोड़ की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। जब मामला संबंधित न्यायाधिकरण के समक्ष लंबित था, तो कानूनी निर्णय से पहले ऐसी कार्रवाई करना न्याय के स्वीकृत सिद्धांतों के खिलाफ है। इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप कई प्राचीन और ऐतिहासिक धरोहर वाली इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। डॉ. कासिम रसूल इलियास ने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड काजी मौलाना आरिफ नदवी और स्थानीय अधिकारियों के अदालत जाने के फैसले का पूरा समर्थन करता है और प्रभावित समिति को हर संभव कानूनी और नैतिक समर्थन प्रदान करेगा। मस्जिद कमेटी के मुताबिक, मस्जिद का इतिहास करीब 636 साल पुराना है और इसका निर्माण 1390 में हुआ था। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा के मामले में सरकारों को बिना भेदभाव के संविधान, कानून और न्यायिक आवश्यकताओं का पालन करना चाहिए। ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर चुप रहना भी चिंताजनक है, खासकर उन राजनीतिक दलों के लिए जो धर्मनिरपेक्ष होने और संविधान को कायम रखने का दावा करते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने राजग में अकाली दल का स्वागत किया, बोले- पंजाब फिर होगा खुशहाल

नई दिल्ली। शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी के बीच पंजाब में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के तहत साथ आने की घोषणा का पंजाब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने स्वागत किया है। भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए केवल सिंह ढिल्लों ने गुरु पर्व की बधाई देते हुए कहा कि आज बहुत शुभ दिन है। इस दिन दो पार्टियां एक मंच पर आई है। मौजूदा राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए ढिल्लों ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी ने बुरा हाल कर दिया है इसलिए अच्छी सरकार आएगी और पंजाब का भला होगा, पंजाब फिर से खुशहाल होगा।

गठबंधन की घोषणा में भ्रष्टाचार और नशा खत्म करने की बात पर केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि सबसे पहले हम नशे को खत्म करेंगे। नशा पंजाब में बहुत बड़ी समस्या है। पंजाब की माली हालत बहुत बुरी है, पंजाब के कर्मचारियों की समस्या है, पंजाब में हालात बहुत खराब हैं।ढिल्लों ने कहा कि नौजवानों के लिए रोजगार नहीं है, हमारे नौजवान बाहर जा रहे हैं। हम इंडस्ट्रियलाइजेशन करेंगे और जब राजग गठबंधन की डबल इंजन की सरकार आएगी तो पंजाब में तरक्की होगी। पंजाब नशा मुक्त होगा। उन्होंने कहा कि राजग गठबंधन सभी 117 सीटों पर चुनाव अकाली दल के साथ मिलकर लड़ेगा और जल्दी ही सीटों को लेकर सहमति बन जाएगी। मुख्यमंत्री के सवाल पर ढिल्लों ने कहा कि पंजाब में शिरोमणि अकाली दल 'बड़े भाई' की भूमिका निभाएगा और गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा इसी दल से होगा। पंजाब चुनाव को लेकर भाजपा की तरफ से गठित 16 सदस्यीय कमेटी को लेकर उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए यह समिति पार्टी की रणनीति को और मजबूत करने, चुनावी तैयारियों तथा संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा पंजाब की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और राज्य को विकास, समृद्धि एवं स्थिरता के रास्ते पर आगे ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

एमसीडी के दिवंगत कर्मचारियों के 65 आश्रितों को मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में कार्यरत दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को राहत देते हुए महापौर प्रवेश वाही ने 65 आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के पद पर नियुक्ति की स्वीकृति प्रदान की है। इन सभी की नियुक्ति निगम के इंजीनियरिंग विभाग में की जाएगी। महापौर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ हर परिस्थिति में खड़ा है। जिन कर्मचारियों ने दिल्ली की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया, उनके परिवारों की देखभाल करना निगम का नैतिक कर्तव्य है। अनुकंपा के आधार पर दी जाने वाली यह नियुक्ति दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों के प्रति निगम की जिम्मेदारी और सम्मान का प्रतीक है। महापौर ने कहा कि इन 65 आश्रितों की नियुक्ति से उनके परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा। साथ ही निगम के इंजीनियरिंग विभाग में कर्मचारियों की कमी दूर करने में भी मदद मिलेगी। एमटीएस के रूप में नियुक्त होने वाले कर्मचारी सड़कों, नालों, भवनों और जनसुविधाओं के रखरखाव से जुड़े कार्यों में योगदान देंगे। उन्होंने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति के लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए निगम प्रशासन विशेष अभियान चला रहा है। पात्रता की जांच के बाद 65 मामलों को स्वीकृति दी गई है। शेष पात्र मामलों का भी नियमानुसार शीघ्र निस्तारण किया जाएगा। महापौर ने सभी 65 आश्रितों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने दिवंगत परिजनों की तरह ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ दिल्ली की सेवा करेंगे।

क्रिप्टोकरेंसी के खरीदार बनकर पांच लाख की ठगी, राजस्थान से चार गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी खरीदने के नाम पर कारोबारियों से ठगी करने वाले एक संगठित साइबर गिरोह का दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया है। गिरोह के चार सदस्यों को राजस्थान के अलवर और जयपुर से गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 1.62 लाख रुपये नकद, 11 मोबाइल फोन, एक आईपैड, एक वाई-फाई राउटर और छह सिम कार्ड बरामद किए गए हैं। आरोपितों ने एक क्रिप्टोकरेंसी कारोबारी के खाते से 4,985 यूएसडीटी (करीब पांच लाख रुपये) निकाल लिए थे। पुलिस ने ठगी की पूरी रकम शिकायतकर्ता को वापस करा दी है।

पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता क्रिप्टोकरेंसी खरीदने-बेचने का कारोबार करता है। छह जून को उसने बाइनेंस पी2पी प्लेटफॉर्म पर यूएसडीटी बेचने के लिए ऑर्डर डाला था। इसी दौरान एक व्यक्ति ने खरीदार बनकर उससे संपर्क किया। बातचीत के लिए उसे वॉट्सऐप पर बुला लिया। इसके बाद आरोपित ने उसे एक फिशिंग लिंक भेजा। लिंक के जरिए क्रिप्टो वॉलेट तक पहुंच हासिल कर आरोपितों ने उसके खाते से 4,985 यूएसडीटी ट्रांसफर कर लिए। इस संबंध में दो जुलाई को साइबर थाने में धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में ई-एफआईआर दर्ज की गई। आरोपितों में



अतुल मीणा (21), जगमोहन मीणा (19), नरेंद्र कुमार मीणा (22) और मनीष मीणा (24) हैं। मामले की जांच के लिए साइबर थाना पुलिस की टीम ने तकनीकी जांच शुरू की। कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल रिकॉर्ड (आईपीडीआर) और वॉट्सऐप नंबरों का विश्लेषण करने पर अलवर, राजस्थान से संचालित गिरोह का पता चला। पुलिस ने सबसे पहले अलवर में अतुल मीणा के ठिकाने पर छापा मारा। वहां से 1.62 लाख रुपये नकद, तीन मोबाइल फोन, एक आईपैड, जियो वाई-फाई राउटर और पांच सिम कार्ड बरामद किए गए। इसके बाद पुलिस टीम ने जयपुर में छापेमारी कर जगमोहन, नरेंद्र और मनीष को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से आठ मोबाइल फोन मिले। पूछताछ में तीनों ने बताया कि वे अतुल के साथ मिलकर कमीशन के आधार पर काम करते थे। उन्होंने ही क्रिप्टोकरेंसी बेचने वाले कारोबारियों की जानकारी अतुल तक पहुंचाई थी। बाद में पुलिस ने लगातार दबिश देकर फरार चल रहे अतुल को दिल्ली के धौलाकुआं के पास से गिरफ्तार कर लिया। जांच में गिरोह के काम करने का तरीका सामने आया। आरोपित राजस्थान के अलवर के आसपास के गांवों से युवकों को कमीशन और मुनाफे का लालच देकर अपने साथ जोड़ते थे। ये युवक इंस्टाग्राम पर विज्ञापन डालकर बाइनेंस खाते किराये पर लेते थे। इसके अलावा सिम कार्ड लेकर वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम खाते भी बनाते थे। ऑनलाइन विज्ञापनों के जरिए यूएसडीटी बेचने वाले लोगों को तलाशते थे। जैसे ही कोई कारोबारी यूएसडीटी बेचने के लिए संपर्क करता, ये युवक उसका मोबाइल नंबर अतुल को दे देते थे। अतुल खुद को खरीदार बताकर कारोबारी से वॉट्सऐप पर बातचीत करता और उसे फिशिंग लिंक भेजकर क्रिप्टो वॉलेट तक पहुंच हासिल कर लेता था। इसके बाद वॉलेट में मौजूद पूरी क्रिप्टोकरेंसी अपने नियंत्रण वाले खातों में ट्रांसफर कर लेता था। पुलिस के मुताबिक अतुल इस गिरोह का मुख्य संचालक था। वह ठगी के लिए इस्तेमाल होने वाले वॉट्सऐप नंबर और क्रिप्टो वॉलेट का संचालन करता था। पुलिस अब आरोपियों के ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड की जांच करने के साथ ही उन एक्सचेंज खातों और वॉलेट को सुरक्षित कराने की कार्रवाई कर रही है, जिनका इस्तेमाल ठगी की रकम ट्रांसफर करने में हुआ था। मामले की जांच जारी है।

गुरु नानक देव की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव की समानता, करुणा और नि:स्वार्थ सेवा की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी सदियों पहले थीं। उनका संदेश हमें स्मरण कराता है कि मानवता जाति, पंथ और धर्म के सभी भेदभावों से ऊपर है तथा सच्ची आस्था का वास्तविक अर्थ दूसरों की सेवा में निहित है। यह बात विजेंद्र गुप्ता ने गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के अवसर पर कही। इस अवसर पर विजेंद्र गुप्ता ने आज नई दिल्ली स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में मत्था टेका और दिल्ली तथा देश की जनता की शांति, समृद्धि एवं कल्याण के लिए अरदास की। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव की शिक्षाओं ने सामाजिक भेदभाव को चुनौती दी और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा एवं समानता को प्रतिष्ठित किया। उन्होंने नाम जपो, किरत करो और वंड छको के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सिद्धांत ईश्वर के स्मरण, ईमानदारी से आजीविका अर्जित करने और दूसरों के साथ मिल-बांटकर रहने की भावना पर बल देते हैं। उन्होंने कहा कि ये सिद्धांत आज भी करुणा, आपसी सम्मान और सामूहिक उत्तरदायित्व पर आधारित समाज के निर्माण के लिए नैतिक आधार प्रदान करते हैं। अपने दौरे के दौरान अध्यक्ष ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब के ऐतिहासिक महत्व को भी स्मरण किया। यह पवित्र स्थल वर्ष 1675 में शहादत के पश्चात श्री गुरु तेग बहादुर जी के पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार की स्मृति से जुड़ा है।

एक नजर

बलेनो कार से स्टंटबाजी कर एमजी हेक्टर गाड़ी में टक्कर मारी, चार काबू



गुरुग्राम। मार्बल मार्केट सेक्टर-34 में बलेनो कार से स्टंटबाजी कर एमजी हेक्टर गाड़ी में टक्कर मारने पर चार आरोपियों को काबू किया है। आरोप है कि कार चालक ने टक्की मारने के बाद रुकने के बजाय मौके से भागने की कोशिश की। रोकने आए एक व्यक्ति को भी गाड़ी से टक्कर मारकर डराने का प्रयास किया। मार्केट के व्यापारियों ने जान जोखिम में डालकर कार को रुकवाया और उसमें सवार चार लोगों को पकडक़र पुलिस के हवाले कर दिया। मामले की जांच कर रहे हेड कांस्टेबल परवीन कुमार ने मंगलवार को बताया कि पुलिस मामले में सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है और आगे की कार्रवाई कर रही है। सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में पिरामिड आल्टिया सेक्टर-70 निवासी नवनीत करनावत ने बताया कि उनकी सेक्टर-34 स्थित पद्मावती स्टोरेक्स नाम से दुकान है। 23 नवंबर को सुबह करीब 11 से 11:30 बजे दुकान के बाहर उनकी एमजी हेक्टर गाड़ी खड़ी थी। इसी बलेनो कार के चालक ने स्टंट करते हुए उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। चालक को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वह गाड़ी भगाने लगा। रास्ते में उसने रोकने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति को भी टक्कर मारने की कोशिश की। इसके बाद व्यापारियों ने कार को रुकवाकर चार लोगों को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और बलेनो कार सहित आरोपियों को थाने ले गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बिना नंबर की बुलेट में पेट्रोल भरवाया व नकली नोट थमाकर हुए फरार

गुरुग्राम। अशोक विहार फेज-2 स्थित माता शीतला फ्यूल स्टेशन पर दो नकाबपोश युवकों ने अपनी बिना नंबर की बुलेट बाइम में एक हजार रुपये का पेट्रोल भरवाया। इसके बाद वे 500-500 रुपये के दो नकली नोट देकर मौके से फरार हो गए। पंप की ओर से शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पेट्रोल पंप संचालक मनीष कुमार के अनुसार बाइक पर सवार होकर दो युवक आए और उन्होंने एक हजार रुपये का पेट्रोल डलवाया। दोनों युवकों ने पहले ऑनलाइन भुगतान की बात कही, लेकिन पेट्रोल भरवाने के बाद अचानक नकद भुगतान करने लगे। उन्होंने सेल्समैन को 500 रुपये के दो नोट दिए और तेज रफ्तार से फरार हो गए। नोटों की गुणवत्ता और छपाई देखकर सेल्समैन को शक हुआ। जांच में दोनों नोट नकली निकले। कर्मचारियों ने शोर मचाकर आरोपियों का पीछा भी किया, लेकिन वे अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। उनकी बाइक पर नंबर प्लेट भी नहीं थी। पुलिस ने पंप संचालक की शिकायत पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

गुरुग्राम नगर निगम टॉप 1000 प्रॉपर्टी टैक्स डिफॉल्टर्स को भेजेगा रिकवरी नोटिस

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम (एमसीजी) ने प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं कराने वाले बड़े बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी कर ली है। निगम क्षेत्र के टॉप-1000 डिफॉल्टर्स की सूची तैयार कर उन्हें रिकवरी नोटिस भेजे जाएंगे। नोटिस के बावजूद टैक्स जमा नहीं कराने वालों की प्रॉपर्टी सील करने की कार्रवाई भी तेज की जाएगी। निगमायुक्त डॉ. पंकज ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जोनवार टैक्स की मांग, वसूली और लंबित बकाया राशि की समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने टॉप-1000 बकायेदारों की सूची प्राथमिकता से तैयार करने और उन्हें रिकवरी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। नोटिस की समय पर तामील के लिए बाहरी एजेंसी नियुक्त की जाएगी। एजेंसी की नियुक्ति होने तक संबंधित जोन के क्लर्क और एलबी मेकर फील्ड में जाकर नोटिस वितरित करेंगे। इसके लिए वास्तविक ईंधन खर्च की प्रतिपूर्ति निगम करेगा। बकायेदारों पर दबाव बनाने और भुगतान के लिए फॉलोअप करने के उद्देश्य से उनकी सूची एमसीजी कॉल सेंटर को भी दी जाएगी। कॉल सेंटर के कर्मचारी फोन और व्हाट्सएप के माध्यम से बकायेदारों से संपर्क कर टैक्स जमा कराने की अपील करेंगे। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि रिकवरी नोटिस की तामील के बाद भी भुगतान नहीं करने वाली प्रॉपर्टीज को सील करने की कार्रवाई तेज की जाए। पूरी प्रक्रिया निर्धारित कानूनी प्रावधानों के तहत होगी। बैठक में कर्मचारियों को नागरिकों के साथ शालीन व्यवहार करने और शिकायतों का समय पर समाधान करने की हिदायत भी दी गई। दुर्व्यवहार या लापरवाही की शिकायत मिलने पर एचकेआरएन कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने तथा नियमित कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई। अगली समीक्षा बैठक में सभी जोन के अधिकारियों को टैक्स वसूली, नोटिस वितरण और सीलिंग कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब में मत्था टेका

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब पहुंचकर गुरु साहिब के चरणों में शीश नवाया। मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा साहिब में अरदास की और समस्त दिल्लीवासियों तथा देशवासियों के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने गुरु नानक देव के जीवन, उनकी महान शिक्षाओं और मानवता के कल्याण के लिए किए गए उनके कार्यों को नमन करते हुए प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, विधायक अशोक गोयल उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज सभी के लिए अत्यंत हर्ष और प्रसन्नता का अवसर है। गुरु नानक देव का जीवन और उनका दर्शन संपूर्ण मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ के समान है। उन्होंने ऐसे समय में समाज को सत्य, प्रेम, समानता और मानव सेवा का मार्ग दिखाया, जब सामाजिक भेदभाव और अनेक प्रकार की रूढ़ियां समाज में व्याप्त थीं। गुरु नानक देव ने अपने विचारों और आचरण से यह संदेश दिया कि ईश्वर एक है और उसकी संतान के रूप में सभी मनुष्य समान हैं।



मुख्यमंत्री ने गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित वर्षभर के कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए बताया कि पिछले वर्ष नवंबर में लाल किले से इन कार्यक्रमों की शुरुआत की गई थी। इस वर्ष 12, 13 और 14 दिसंबर को लाल किले में ही इन आयोजनों का भव्य समापन किया जाएगा। उन्होंने समस्त गुरु संगत, साध संगत और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को इस आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने कामना की कि गुरु नानक देव का आशीर्वाद सभी के जीवन में सुख, शांति और खुशहाली लेकर आए। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर हम सभी एक ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दें, जहां प्रेम, समानता, भाईचारा और मानव सेवा सर्वोपरि हों। उन्होंने सभी से गुरु साहिब की शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और सेवा एवं सद्भाव की भावना को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

केवल सड़क, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं तक सीमित न रहें निकाय : विपुल गोयल

गुरुग्राम। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि नगर निकायों को केवल सडक़, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं तक सीमित न रहकर अच्छे पार्क, आकर्षक चौक, संग्रहालय और ऐसे सार्वजनिक स्थल विकसित करने चाहिए, जहां परिवार समय बिता सकें। इससे शहरों की पहचान और नागरिकों का जुड़ाव बढ़ेगा तथा लोग बेहतर सुविधाओं के बदले टैक्स देने के लिए भी प्रेरित होंगे। यह बात उन्होंने मंगलवार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन स्थानीय निकायों से जुड़े तीन तकनीकी सत्र में बोलते हुए कही।

इन सत्रों में नगर पालिका तथा नगर परिषद को स्थानीय जरूरतों के अनुरूप अधिक सक्षम बनाने, शहरों के सुनियोजित विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। देश के विभिन्न संस्थानों से आए विशेषज्ञों ने शहरी प्रशासन के अपने अनुभव साझा करते हुए निकायों की कार्यप्रणाली में सुधार के सुझाव दिए। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से राष्ट्रीय एवं राज्य योजनाओं में उपलब्ध धनराशि की जानकारी रखने तथा उनका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि अर्बन चैलेंज फंड के तहत हरियाणा में अगले डेढ़ वर्ष में लगभग 10 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट लाने की संभावनाएं हैं। इसके साथ ही प्रत्येक नगर निकाय की वार्षिक बैलेंस शीट तैयार करने, आय-व्यय का नियमित आकलन करने और वित्तीय प्रबंधन मजबूत करने पर जोर दिया।

गुरुग्राम की तस्वीर बदलने के लिए मिशन मोड में काम करें अधिकारी: नायब सिंह सैनी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुरुग्राम की व्यवस्थाओं के भीतर धरातल पर स्पष्ट बदलाव दिखाई देना चाहिए। सरकार के पास विकास कार्यों के लिए बजट की कोई कमी नहीं है। अधिकारी पूरी ईमानदारी, जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ सरकार की योजनाओं एवं विकास कार्यों को धरातल पर उतारें। उन्हें केवल कार्यों की प्रगति की रिपोर्ट नहीं, बल्कि उनके वास्तविक परिणाम दिखाई देने चाहिए।

मंगलवार को गुरुग्राम में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) तथा नगर निगम के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने शहर की स्वच्छता, सीएंडडी वेस्ट (निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट) के प्रबंधन, जलभराव की रोकथाम, सडक़, पेयजल एवं सीवरेज की मिसिंग लिंक परियोजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने और सीएंडडी वेस्ट के उचित निस्तारण के लिए अधिकारी माइक्रो मैनेजमेंट के स्तर पर काम करें। निर्माण एवं विध्वंस से निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस पूरी प्रक्रिया में संबंधित कंपनियों की जवाबदेही तय की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कचरे का निस्तारण निर्धारित मानकों के अनुसार हो। बैठक में जीएमडीए के सीईओ डी .के बेहेरा ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि सीएंडडी वेस्ट के व्यवस्थित प्रबंधन को लेकर नागरिकों के साथ बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में नागरिकों से प्राप्त सुझावों के आधार पर जिले में 10 अलग-अलग स्थानों पर एक-एक हेक्टेयर भूमि चिह्नित करने की योजना बनाई गई है। इन स्थानों पर निर्माण एवं विध्वंस से निकलने वाले कचरे का अस्थायी रूप से संग्रहण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सीएंडडी वेस्ट के दीर्घकालिक एवं व्यवस्थित निस्तारण के लिए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के निकट जिले में लगभग 500 एकड़ भूमि चिह्नित करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में गुरुग्राम, मानेसर तथा फरीदाबाद का सीएंडडी वेस्ट का यहां निस्तारण किया जा सके। बैठक में दिल्ली से गुरुग्राम में अवैध रूप से सीएंडडी वेस्ट लाने वाले वाहनों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। इस संबंध में सीपी शिवास कविराज ने जानकारी दी कि अब तक ऐसी 12 गाडियों को जब्त किया जा चुका है तथा संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

सिलेंडर मे आग लगने से दो लोगों की मौत, आपूर्तिकर्ता कंपनी और एजेंसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

नोएडा। उत्तर प्रदेश के थाना जेवर क्षेत्र स्थित ग्राम दयानतपुर में बीती रात को रसोई गैस के सिलेंडर में रिसाव के चलते लगी आग और सिलेंडर फटने से हुई दो लोगों की मौत और दो लोगों के गंभीर रूप से झुलसने के मामले में पुलिस ने गैस आपूर्तिकर्ता कंपनी और गैस एजेंसी के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।



पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि ग्राम दयानतपुर के रहने वाले कुशल पाल सिंह ने आज रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 23 नवंबर 2026 को ग्राम दयानतपुर में एलपीजी गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण आग लगी, तथा गैस सिलेंडर फट गया। इस घटना में वीरपाल सिंह (56) उनके पुत्र अभिषेक (24) की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि अभिषेक की पत्नी काजल एवं उसका दो वर्षीय बेटा गंभीर रूप से झुलस गए। उन्होंने आरोप लगाया है कि गैस सिलेंडर की गुणवत्ता, वाल्व, सील, रिपेयरिंग एवं सुरक्षा के मानकों के अनुपालन में लापरवाही की आशंका है। गैस आपूर्ति कर्ता कंपनी एवं संबंधित एजेंसी का दायित्व है कि उपभोक्ताओं को पूर्णत सुरक्षित एवं निर्धारित मांगों के अनुरूप सिलेंडर उपलब्ध कराए। उन्होंने इस मामले में गैस आपूर्ति कर्ता कंपनी, संबंधित गैस एजेंसी एवं जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच करने की मांग करते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1), 125,287 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया है कि यह केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि आम नागरिकों के जीवन एवं सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत गंभीर मामला है। डीसीपी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आठ दिन बाद थी बेटी की शादी

कुशल पाल के अनुसार जिस घर में यह घटना हुई है उस घर में आठ दिन बाद बेटी की शादी थी। शादी के लिए घर में 23 एलपीजी सिलेंडर रखे गए थे। गैस सिलेंडर में रिसाव हो रहा था। इसी बीच बिजली की तार में स्पार्किंग हुई और आग लग गई। आग की चपेट में रखा एक अन्य सिलेंडर भी आ गया तथा दोनों सिलेंडर फट गए। घटना की सूचना पर आसपास के लोग पहुंचे। उन्होंने घर का दरवाजा तोड़ा तथा घर में प्रवेश कर आग बुझाने का प्रयास किया। लोगों का कहना है कि अगर घर में रखे 23 सिलेंडर फट जाते तो गांव की काफी लोगों की जान जा सकती थी, तथा यह घटना और भयावह हो सकती थी।

फरीदाबादः पहाड़ों की सुरक्षा से समझौता किए बिना बनाई जाएं सडक़ें - नितिन गडकरी

फरीदाबाद। पहाड़ी क्षेत्रों में सडक़ निर्माण देश के विकास और कनेक्टिविटी के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इस दौरान पहाड़ों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सडक़ निर्माण में सुरक्षा मानकों से किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। यह बात केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को फरीदाबाद स्थित अमृता विश्व विद्यापीठम परिसर में आयोजित सातवें विश्व भूस्खलन मंच (डब्ल्यूएलएफ-7) को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कही।

गडकरी ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में विकास कार्य करते समय प्राकृतिक परिस्थितियों और संभावित आपदाओं को ध्यान में रखना बेहद आवश्यक है। सडक़ें बनाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी पहाड़ों की स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने जोर दिया कि प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आपदा आने का इंतजार करने के बजाय पहले से ही वैज्ञानिक जांच और रोकथाम के उपाय किए जाने चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केवल प्रस्तुतियों और विचार-विमर्श तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि इनसे ऐसे व्यावहारिक समाधान निकलने चाहिए, जिनका जमीन पर क्रियान्वयन हो सके और जिनके परिणामों को मापा जा सके। इसके लिए सरकारी विभागों, उद्योग जगत, शिक्षण संस्थानों और वैज्ञानिक विशेषज्ञों के बीच बेहतर तालमेल और ज्ञान का आदान-प्रदान जरूरी है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाई जा रही सफल तकनीकों और कार्यप्रणालियों से सीख लेकर भारत में भी आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर बल दिया गडकरी ने सडक़ निर्माण परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) वैज्ञानिक और तकनीकी तथ्यों के आधार पर तैयार करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं की योजना बनाते समय विशेषज्ञ एजेंसियों और तकनीकी संस्थानों की मदद ली जानी चाहिए। सडक़ परियोजनाएं जलवायु के अनुकूल और वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित हों, ताकि भूस्खलन सहित अन्य प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को कम किया जा सके।



गुरु रविदास जयंती पर निकलेगी समरसता संकल्प यात्रा : दीपक मंगला

नूंह। गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में 28 नवंबर को फरीदाबाद में आयोजित होने वाली समरसता संकल्प यात्रा में नूंह जिले से 3100 लोग भाग लेंगे। यात्रा में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भाजपा ने संगठनात्मक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में भाजपा जिला कार्यालय झिर कमल में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा हरियाणा के उपाध्यक्ष एवं नूंह जिला प्रभारी दीपक मंगला ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को यात्रा की तैयारियों की जानकारी देते हुए उनकी जिम्मेदारियां निर्धारित कीं। दीपक मंगला ने बताया कि नूंह जिले से यात्रा में शामिल होने वाले लोगों के आवागमन के लिए 50 से अधिक बसों और 150 से ज्यादा अन्य वाहनों की व्यवस्था की गई है। विधानसभा और मंडल स्तर पर प्रमुख कार्यकर्ताओं को इंचार्ज नियुक्त किया गया है, ताकि सभी व्यवस्थाओं का बेहतर समन्वय किया जा सके और निर्धारित संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो।

किरण बेदी की संस्था नवज्योति इंडिया फाउंडेशन ने मनाई रजत जयंती

गुरुग्राम। नवज्योति इंडिया फाउंडेशन ने अपनी 25 वर्षों की सेवा यात्रा के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर संस्था की संस्थापक एवं भारत की पूर्व उपराज्यपाल डॉ. किरण बेदी तथा ब्रह्माकुमारीज की राजयोगिनी बीके शिवानी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। जिला के नया गांव स्थित नवज्योति इंडिया फाउंडेशन के इस समारोह की मुख्य थीम ग्राम परिवर्तन के लिए सामूहिक चेतना रही। कार्यक्रम में संस्था की 25 वर्षों की सामाजिक सेवा, सामुदायिक सहभागिता और ग्रामीण विकास की उपलब्धियों को सांझा किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण परिसर में नीलम गजेंद्र सिंघवी हॉल का उद्घाटन किया गया, जहां डॉ. किरण बेदी के जीवन सफर को दुर्लभ तस्वीरों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। साथ ही संस्था की 25 वर्षों की सेवा यात्रा और प्रेरणादायक महिलाओं की कहानियों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी हुआ। बीके शिवानी ने अपने संबोधन में सकारात्मक सोच, आत्मिक सशक्तिकरण और व्यक्तिगत बदलाव के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वर्णिम भारत का निर्माण तभी संभव है, जब हर घर में सकारात्मक सोच विकसित होगी। समारोह में आसपास के गांवों से 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। समारोह में नवज्योति इंडिया फाउंडेशन की निदेशक (सस्टेनेबिलिटी एवं जेंडर इन्क्लूजन) डॉ. चांदनी बेदी ने संस्था की उपलब्धियों को सांझा करते हुए बताया कि जल संरक्षण एवं कौशल विकास कार्यक्रमों से अब तक सवा तीन लाख से अधिक लोगों को लाभ पहुंचा है। लगभग 362 मिलियन लीटर वर्षा जल के भूजल पुनर्भरण की क्षमता विकसित की गई है। डॉ. किरण बेदी ने नवज्योति की 25 वर्षों की सेवा यात्रा को याद करते हुए सामाजिक परिवर्तन, सामुदायिक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ग्रामीण विकास के लिए सामूहिक भागीदारी और सांझा जिम्मेदारी को आवश्यक बताया।

फरीदाबाद : होटल के कमरे में मृत मिली दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा, युवक फरार

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सराय थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डूयू) की 19 वर्षीय छात्रा का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवती ने होटल के कमरे में कथित तौर पर चूहे मारने की दवा खाकर जान दे दी। वह अपने पड़ोस में रहने वाले एक युवक के साथ सोमवार से होटल में ठहरी हुई थी। घटना के बाद से युवक लापता है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल भिजवा दिया।

मृतका की पहचान अर्चना (19) के रूप में हुई है। वह गांव कुरैशीपुर की गांधी कॉलोनी की रहने वाली थी और दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही थी। परिजनों के मुताबिक, अर्चना सोमवार सुबह कॉलेज जाने की बात कहकर घर से निकली थी। सोमवार को करीब तीन बजे तक उसकी परिवार के सदस्यों से फोन पर बातचीत होती रही, लेकिन इसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिजनों ने उससे संपर्क करने की काफी कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अर्चना का कोई सुराग नहीं मिलने पर मंगलवार सुबह परिजनों ने पुलिस को उसके लापता होने की सूचना दी। इसके कुछ घंटे बाद पुलिस ने उन्हें एक युवती का शव होटल में मिलने की जानकारी दी। परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान अर्चना के रूप में की। सराय थाना पुलिस के मुताबिक, कंट्रोल रूम से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम होटल पहुंची थी। होटल स्टाफ चेकिंग के लिए कमरे का दरवाजा खोलने पहुंचा तो युवती बेड पर बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। उसके मुंह से झाग निकल रहे थे। पुलिस को आशंका है कि उसने चूहे मारने की दवा खाई थी। कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, अर्चना विपिन यादव नाम के युवक के साथ सोमवार से होटल में ठहरी हुई थी। घटना के बाद से विपिन का कोई पता नहीं है। पुलिस उसकी तलाश और सुसाइड नोट की जांच कर रही है। थाना प्रभारी राकेश के मुताबिक, मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

बिना पोस्टमार्टम शव देने के मामले की होगी जांच, कमेटी गठित

फरीदाबाद। जिले के बीके अस्पताल में 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला का शव बिना पोस्टमॉर्टम कराए परिजनों को सौंपने के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। विभाग ने मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की है। कमेटी पता लगाएगी कि शव को बिना पोस्टमॉर्टम शवगृह से बाहर ले जाने में किस स्तर पर लापरवाही हुई। पीएमओ डॉ. विकास गोयल ने बताया कि जांच में जिस भी कर्मचारी या अधिकारी की लापरवाही सामने आएगी, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के गाजीपुर निवासी 65 वर्षीय दुलारी देवी फरीदाबाद की संजय कॉलोनी में अपनी बेटी आकांक्षा के घर आई हुई थीं।



शनिवार रात उन्हें सांस लेने और बोलने में परेशानी हुई। इसके बाद परिजन उन्हें बीके अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला के गले पर निशान देखकर डॉक्टरों को मौत के कारणों पर संदेह हुआ। इसके चलते मेडिको लीगल केस (एमएलसी) दर्ज किया गया और पोस्टमॉर्टम के लिए शव शवगृह में रखवा दिया गया। आरोप है कि रविवार को परिजन शवगृह कर्मचारी पर दबाव बनाकर बिना पोस्टमॉर्टम कराए महिला का शव अपने साथ ले गए। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन या शवगृह की ओर से पुलिस को इसकी जानकारी नहीं दी गई। बाद में पुलिस पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया के लिए अस्पताल पहुंची, तो वहां शव नहीं मिला। जांच में पता चला कि परिजन शव लेकर गाजियाबाद के लाल कुआं पहुंच चुके हैं। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने हस्तक्षेप किया और गाजियाबाद के लाल कुआं में अंतिम संस्कार रुकवा दिया। इसके बाद शव वापस मंगवाया गया और बीके अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की गठित कमेटी अस्पताल के रिकॉर्ड, शवगृह की प्रक्रिया और संबंधित कर्मचारियों की भूमिका की जांच करेगी। पीएमओ डॉ. विकास गोयल ने कहा कि जांच में लापरवाही सामने आने पर संबंधित कर्मचारी या अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी और आम मुसलमानों के बीच विश्वास एवं संवाद की नई पहल जरूरी

मुस्लिम बुद्धिजीवियों और प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात के बावजूद गाँवों-कस्बों के आम मुसलमानों तक अपेक्षित संदेश नहीं पहुँचा; विकसित भारत 2047 में मुस्लिम समाज की भागीदारी सुनिश्चित करना समय की मांग



प्रो. (डॉ.) जसीम मोहम्मद

भारत जैसे बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक देश में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और समावेशी विकास की सफलता के लिए प्रत्येक समुदाय के साथ विश्वासपूर्ण संवाद आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय मुस्लिम समाज के विभिन्न धार्मिक नेताओं, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों तथा सामाजिक प्रतिनिधियों के बीच पिछले एक दशक में हुई मुलाकातें इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही हैं। वर्ष 2015 में 30 सदस्यीय मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात, 2016 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों और मुस्लिम बुद्धिजीवियों से संवाद, 2017 में उलेमा एवं जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रतिनिधियों से बातचीत तथा 2024 और 2025 में विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ हुई मुलाकातें इसके उदाहरण हैं। दाऊदी बोहरा समुदाय के धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के साथ प्रधानमंत्री का संवाद भी उल्लेखनीय रहा है। लेकिन इन मुलाकातों के लगभग एक दशक बाद एक बुनियादी सवाल आज भी मौजूद है कि क्या इन संवादों का सकारात्मक संदेश देश के सामान्य मुसलमानों, विशेषकर गाँवों, कस्बों और मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक अपेक्षित रूप से पहुँच पाया है? मेरा मानना है कि इस दिशा में अभी व्यापक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडलों में अनेक ऐसे लोग शामिल रहे हैं, जिनकी धार्मिक, सामाजिक, शैक्षिक और संस्थागत स्तर पर समाज में अच्छी पहुँच है। इसके बावजूद शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, सरकारी योजनाओं, महिला सशक्तीकरण, उद्यमिता और राष्ट्रीय विकास में मुस्लिम समाज की भागीदारी जैसे विषयों पर व्यापक जनसंवाद स्थापित करने की आवश्यकता बनी हुई है। यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री से किसी प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचकर उसका विश्वास जीतना दो अलग-अलग बातें हैं। प्रतीकात्मक मुलाकातें संवाद की शुरुआत तो कर सकती हैं, लेकिन स्थायी विश्वास के लिए निरंतर संपर्क, समस्याओं का समाधान और समान अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। दूसरी ओर, अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग, अमेरिकी विदेश विभाग और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसी संस्थाओं की भारत संबंधी रिपोर्टों में समय-समय पर धार्मिक स्वतंत्रता, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और सामाजिक भेदभाव से जुड़े सवाल उठाए गए हैं। इन रिपोर्टों के निष्कर्षों पर भारत सरकार और संबंधित संस्थाओं के दृष्टिकोण में मतभेद हो सकते हैं। फिर भी ऐसे प्रश्नों का समाधान संवाद, पारदर्शिता, तथ्यात्मक जवाबदेही और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से किया जाना चाहिए।

यह भी स्वीकार करना होगा कि मुस्लिम समाज के भीतर नेतृत्व और आम नागरिकों के बीच संवाद की दूरी मौजूद है। इसी प्रकार सरकार और मुस्लिम बहुल गाँवों-कस्बों में रहने वाले सामान्य नागरिकों के बीच भी प्रत्यक्ष संवाद को अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है।

विश्वास भाषणों से नहीं, व्यवहार से बनता है

विश्वास केवल भाषणों, मुलाकातों और नारों से स्थापित नहीं होता। इसके लिए न्यायपूर्ण व्यवहार, सुरक्षा, सम्मान, शिक्षा, रोजगार और विकास के समान अवसर आवश्यक हैं। सरकार के स्थानीय प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। मुस्लिम समाज के धार्मिक एवं सामाजिक नेतृत्व की भी यह जिम्मेदारी है कि वे समुदाय के युवाओं को आधुनिक शिक्षा, तकनीक, कौशल विकास, उद्यमिता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्र निर्माण से जोड़ें। समाज को केवल धार्मिक पहचान तक सीमित रखने के बजाय उसे राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना समय की आवश्यकता है।

मुस्लिम समाज का प्रतिनिधित्व केवल धार्मिक नेतृत्व तक सीमित नहीं

सरकार को मुस्लिम समाज को देखने और समझने के अपने पारंपरिक दृष्टिकोण में भी बदलाव लाने की आवश्यकता है। केवल मस्जिदों के इमामों, मदरसों के मोहतमिमों, कव्वालों, सूफी दरगाहों के सज्जादानशीनों अथवा धार्मिक प्रतिनिधियों को संपूर्ण मुस्लिम समाज का प्रतिनिधि मान लेना उचित नहीं होगा। टोपी, दाढ़ी, शेरवानी और कुर्ते के आधार पर किसी समुदाय की पूरी सामाजिक पहचान और उसकी आकांक्षाओं को नहीं समझा जा सकता। मुस्लिम समाज में डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, किसान, व्यापारी, मजदूर, महिलाएँ, विद्यार्थी, उद्यमी और आधुनिक शिक्षा प्राप्त युवा भी हैं। उनकी समस्याएँ, आवश्यकताएँ और अपेक्षाएँ अलग-अलग हैं। अतीत में कांग्रेस की राजनीति को लेकर भी मुस्लिम समाज के सीमित प्रतिनिधित्व की ऐसी छवि पर सवाल उठते रहे हैं। मोदी सरकार को इस दृष्टिकोण से आगे बढ़कर मुस्लिम समाज के सभी वर्गों के साथ प्रत्यक्ष और व्यापक संवाद स्थापित करना चाहिए।

प्रधानमंत्री की नई पहल से मजबूत हो सकता है विश्वास

मेरे विचार में अब समय आ गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक नई पहल के तहत मुस्लिम बहुल क्षेत्रों के ग्राम प्रधानों, स्थानीय शिक्षकों, युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से सीधे संवाद करें। विभिन्न राज्यों और शहरों में विशेष सम्मेलन आयोजित किए जा सकते हैं। इन सम्मेलनों में सरकारी योजनाओं की जानकारी, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, महिला सशक्तीकरण, उद्यमिता और स्थानीय विकास से जुड़ी समस्याओं पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए। इस संवाद में किसी एक संस्था, संगठन अथवा विशेष वर्ग का एकाधिकार नहीं होना चाहिए। मुस्लिम समाज के सभी सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक और पेशेवर वर्गों को समान अवसर और प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। इसके साथ ही उन मुस्लिम नेताओं और संस्थाओं की भूमिका की भी समीक्षा होनी चाहिए, जो पहले प्रधानमंत्री से मुलाकात कर चुके हैं। यह देखना आवश्यक है कि उन्होंने उन मुलाकातों के संदेश, विकास संबंधी योजनाओं और अवसरों को अपने समुदाय तक पहुँचाने के लिए क्या प्रयास किए।



विकसित भारत 2047 में मुस्लिम समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी

विकसित भारत 2047 का राष्ट्रीय संकल्प तभी सार्थक होगा, जब देश का प्रत्येक नागरिक, चाहे उसका धर्म, जाति, भाषा अथवा क्षेत्र कुछ भी हो, विकास की प्रक्रिया में समान भागीदार बने। भारतीय मुस्लिम समाज को भी शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, उद्योग, व्यापार, प्रशासन, खेल, संस्कृति और सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में आगे बढ़ने के समान अवसर मिलने चाहिए। प्रधानमंत्री और आम मुसलमान के बीच विश्वास की नई कड़ी स्थापित करना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह मुस्लिम समाज के धार्मिक एवं सामाजिक नेतृत्व, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों की भी साझा जिम्मेदारी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि संवाद दिल्ली के प्रतिनिधिमंडलों और बड़े सम्मेलनों तक सीमित न रहे, बल्कि गाँवों, कस्बों, मोहल्लों और आम नागरिकों के घरों तक पहुँचे। प्रधानमंत्री और मुस्लिम समाज के बीच प्रत्यक्ष संपर्क बढ़े, एक-दूसरे की समस्याओं को समझने का अवसर मिले और विकास की योजनाओं में वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो। भारत की एकता और लोकतांत्रिक मजबूती इसी में है कि देश का कोई भी नागरिक स्वयं को विकास की प्रक्रिया से अलग-थलग महसूस न करे। विश्वास, सम्मान, समान अवसर और निरंतर संवाद ही उस नए सामाजिक रिश्ते की बुनियाद बन सकते हैं, जिसकी आवश्यकता आज भारत को है।

(लेखक प्रोफेसर एवं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के पूर्व मीडिया सलाहकार हैं।)

दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है, जबकि मीठे जल संसाधनों में उसकी हिस्सेदारी करीब चार प्रतिशत है। भूजल का अनियंत्रित दोहन, नदियों का प्रदूषण और पारंपरिक जल स्रोतों की उपेक्षा ने सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता को चुनौतीपूर्ण बनाया। इसी परिस्थिति में सार्वजनिक जल व्यवस्था की कमजोरियों के बीच निजी कंपनियों ने शुद्ध पानी का बाजार खड़ा कर दिया। आईएमएआरसी ग्रुप के अनुसार, 2026 में वैश्विक बोतलबंद पानी बाजार 311.2 अरब डॉलर का है। भारत में आईबीईएफ की मार्च 2026 की रिपोर्ट संगठित पैकेज्ड वाटर बाजार का आकार 32,040 करोड़ रुपये बताती है, जिसके 2032 तक 57,850 करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान है। असंगठित और प्रीमियम बाजार जोड़ने पर इसका आकार लगभग 77,600 करोड़ रुपये आंका गया है, किंतु वर्तमान में पैकेज्ड वाटर उद्योग में भूजल निकासी को लेकर संसदीय समितियों और जल विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। वस्तुतः कई क्षेत्रों में औद्योगिक दोहन से स्थानीय जलस्तर प्रभावित होने की शिकायतें सामने आई हैं। प्रकृति से प्राप्त पानी को निकालकर, फिल्टर करके और प्लास्टिक की बोतल में भरकर उसी समाज को बेचना जल संसाधनों के न्यायपूर्ण उपयोग पर सवाल खड़ा करता है। वहीं, बोतलबंद पानी की सुरक्षा का प्रश्न रासायनिक प्रदूषण तक सीमित नहीं है।

पहले पानी का संकट, फिर बाजार और अब कैंसर का खतरा!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी



तपती दोपहर में रेलवे स्टेशन पर प्यास से बेहाल बच्चे के लिए जब मां 20 रुपये की पानी की बोतल खरीदती है, तो उसका भरोसा होता है कि कम से कम यह पानी तो शुद्ध होगा। वह बोतल की कीमत से अपने बच्चे की सेहत की सुरक्षा खरीद रही होती है, किंतु जब देश के प्रमुख बोतलबंद पानी ब्रांड बिसलेरी के नमूने में संभावित कैंसरकारी रसायनों की मौजूदगी का मामला सामने आता है और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) मुकदमे की मंजूरी देता है, तब सवाल एक कंपनी से आगे बढ़कर पूरे पैकेज्ड वाटर उद्योग की विश्वसनीयता पर पहुंच जाता है। आखिर जिस पानी को शुद्धता और सुरक्षा का पर्याय बनाकर बेचा गया, वही हमारी सेहत के लिए खतरा बन जाए तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? वस्तुत: यह घटनाक्रम बताता है कि पानी के कारोबार में ब्रांड की प्रतिष्ठा और विज्ञापनों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण उसकी वास्तविक गुणवत्ता है। बोतलबंद पानी के इस विशाल बाजार की कहानी लगभग तीन दशक पुरानी है। 1990 के दशक के बाद पानी के निजीकरण और वस्तुकरण का वैश्विक विमर्श तेज हुआ। 1995 में विश्व बैंक के तत्कालीन उपाध्यक्ष इस्माइल सेरागेल्डिन का चर्चित कथन था कि बीसवीं सदी के युद्ध तेल के लिए हुए, इक्कीसवीं सदी के युद्ध पानी के लिए होंगे। इसने पानी को भविष्य के सबसे मूल्यवान संसाधनों में स्थापित किया।भारत में जल संकट की वास्तविकता भी इस बाजार के विस्तार का आधार बनी।

दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है, जबकि मीठे जल संसाधनों में उसकी हिस्सेदारी करीब चार प्रतिशत है। भूजल का अनियंत्रित दोहन, नदियों का प्रदूषण और पारंपरिक जल स्रोतों की उपेक्षा ने सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता को चुनौतीपूर्ण बनाया। इसी परिस्थिति में सार्वजनिक जल व्यवस्था की कमजोरियों के बीच निजी कंपनियों ने शुद्ध पानी का बाजार खड़ा कर दिया। आईएमएआरसी ग्रुप के अनुसार, 2026 में वैश्विक बोतलबंद पानी बाजार 311.2 अरब डॉलर का है। भारत में आईबीईएफ की मार्च 2026 की रिपोर्ट संगठित पैकेज्ड वाटर बाजार का आकार 32,040 करोड़ रुपये बताती है, जिसके 2032 तक 57,850 करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान है। असंगठित और प्रीमियम बाजार जोड़ने पर इसका आकार लगभग 77,600 करोड़ रुपये आंका गया है, किंतु वर्तमान में पैकेज्ड वाटर उद्योग में भूजल निकासी को लेकर संसदीय समितियों और जल विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। वस्तुत: कई क्षेत्रों में औद्योगिक दोहन से स्थानीय जलस्तर प्रभावित होने की शिकायतें सामने आई हैं। प्रकृति से प्राप्त पानी को निकालकर, फिल्टर करके और प्लास्टिक की बोतल में भरकर उसी समाज को बेचना जल संसाधनों के न्यायपूर्ण उपयोग पर सवाल खड़ा करता है। वहीं, बोतलबंद पानी की सुरक्षा का प्रश्न रासायनिक प्रदूषण तक सीमित नहीं है। कोलंबिया विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में प्रति लीटर बोतलबंद पानी में औसतन लगभग 2.40 लाख प्लास्टिक कण पाए गए, जिनमें बड़ी संख्या नैनोप्लास्टिक की थी। इनके मानव शरीर पर दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर वैज्ञानिक अनुसंधान जारी है। भारत की भीषण गर्मी में खुले ट्रकों और दुकानों के बाहर धूप में रखी प्लास्टिक की बोतलों के भंडारण पर भी सवाल उठते हैं। तापमान और भंडारण की परिस्थितियां प्लास्टिक से कुछ रसायनों के पानी में पहुंचने की आशंका बढ़ा सकती हैं, इसलिए बोतलों के निर्माण, परिवहन और भंडारण के मानकों का कड़ाई से पालन आवश्यक है। विडंबना यह है कि आम आदमी जिस भूजल से बचने के लिए बोतलबंद पानी खरीदता है, वह भी कई क्षेत्रों में सुरक्षित नहीं है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्टों में आर्सेनिक, फ्लोराइड और यूरेनियम जैसे तत्वों से प्रभावित भूजल की जानकारी मिलती रही है। पंजाब के मालवा क्षेत्र में दूषित पानी और कैंसर के मामलों को लेकर लंबे समय से चिंता व्यक्त की जाती रही है। यानी एक तरफ प्रदूषित भूजल का संकट है और दूसरी तरफ बोतलबंद पानी की गुणवत्ता पर सवाल।

नागरिक अपनी जेब से पैसा खर्च करने के बाद भी सुरक्षित पानी की गारंटी नहीं पा रहा। यह स्थिति सार्वजनिक स्वास्थ्य और पेयजल व्यवस्था की गंभीर चुनौती है। भारतीय परंपरा में कुएं, तालाब, बावड़ियां और सरोवर बनवाना पुण्य का कार्य माना गया। हमारे पूर्वज जानते थे कि पानी बनाया नहीं जा सकता, उसे संचित और संरक्षित ही किया जा सकता है। बुंदेलखंड के जखनी गांव को जल संरक्षण के माध्यम से नई पहचान दिलाने वाले पद्मश्री उमाशंकर पांडेय का सूत्र 'खेत पर मेड़ और मेड़ पर पेड़' इसी पारंपरिक वैज्ञानिक समझ का उदाहरण है। आज आवश्यकता है कि वर्षा जल संचयन अनिवार्य हो, पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन किया जाए और भूजल दोहन पर प्रभावी नियंत्रण लगे। एफएसएसएआई तथा बीआईएस को बड़े ब्रांडों से लेकर स्थानीय संयंत्रों तक नियमित गुणवत्ता जांच करनी चाहिए। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हों और मानकों का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो। नागरिक भी घर से निकलते समय स्टील, तांबे या कांच की पुन: उपयोग योग्य बोतल साथ रखने की आदत अपनाएं। दूसरी ओर कहना यह भी होगा कि बोतलबंद पानी उद्योग रोजगार देता है और यात्रा तथा आपात परिस्थितियों में उपयोगी भी है, इसलिए आवश्यकता पूरे उद्योग को खारिज करने की नहीं, उसकी जवाबदेही सुनिश्चित करने की है। मुनाफे की दौड़ में मानव स्वास्थ्य और प्राकृतिक जल संसाधनों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जा सकती। वस्तुत: आज बिसलेरी के नमूने से जुड़ा यह मामला एक चेतावनी है कि शुद्धता का दावा करने वाले हर ब्रांड को कठोर वैज्ञानिक जांच और सार्वजनिक जवाबदेही से गुजरना चाहिए। आखिर सवाल उस मां के भरोसे का है, जो अपने बच्चे को यह सोचकर पानी पिलाती है कि उसने उसके लिए सुरक्षित पानी खरीदा है। यदि यही भरोसा टूट गया तो संकट सिर्फ एक उद्योग का नहीं, पूरी पेयजल व्यवस्था का होगा। पहले पानी के संकट को बाजार बनाया गया और अब बाजार के पानी की शुद्धता पर सवाल है। समय रहते नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे महंगा सुरक्षित जीवन होगा। आनेवाले वक्त में जल से होनेवाले रोगों एवं कैंसर रोगियों के लिए आईसीयू और अस्पतालों के सामान्य वार्ड भी कम पड़ जाएंगे!

विचार

बेटी के लिए सुरक्षित भविष्य की तलाश और दहेज की सौदेबाजी

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय समाज में विवाह को दो व्यक्तियों के बीच जीवनभर के साथ, विश्वास और जिम्मेदारियों का संबंध माना गया है। लेकिन बदलते सामाजिक परिवेश में विवाह की पवित्रता पर बाजारवाद की ऐसी छाया पड़ी है कि रिश्तों का मूल्यांकन अब व्यक्ति के संस्कार, विचार, व्यवहार और मानवीय गुणों से अधिक उसकी नौकरी, वेतन, पद और आर्थिक हैसियत से होने लगा है। विवाह के लिए लड़के की तलाश करते समय लड़की पक्ष की पहली प्राथमिकताओं में सरकारी नौकरी, अच्छा वेतन, अपना मकान, जमीन-जायदाद और सामाजिक प्रतिष्ठा शामिल हो जाती हैं। सरकारी नौकरी वाला दामाद मिल जाए तो परिवार स्वयं को भाग्यशाली समझता है। लेकिन इसी मानसिकता के भीतर एक ऐसा विरोधाभास छिपा है, जिस पर समाज खुलकर चर्चा करने से बचता है। यदि लड़की पक्ष सरकारी नौकरी वाले दामाद को प्राथमिकता देता है और लड़के वाला पक्ष बदले में ब्रेजा, ऑडी या महँगी गाड़ी की माँग रख देता है तो क्या इसे केवल उसकी व्यक्तिगत पसंद कहकर स्वीकार कर लिया जाना चाहिए? क्या विवाह वास्तव में दो परिवारों का मिलन है या योग्यताओं और संपत्तियों की नीलामी का कोई मंच?

यह सवाल किसी एक परिवार, जाति, वर्ग या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह उस सामाजिक मानसिकता पर चोट करता है, जिसमें विवाह को धीरे-धीरे आर्थिक लेन-देन का माध्यम बना दिया गया है। विडंबना देखिए कि लड़की के माता-पिता अपनी बेटी के लिए सरकारी कर्मचारी दामाद इसलिए चाहते हैं कि उसका भविष्य सुरक्षित रहे, उसे आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े और समाज में उसे सम्मान मिले। उनकी यह इच्छा अपने आप में अनुचित नहीं है। प्रत्येक माता-पिता अपनी संतान के सुखद भविष्य की कामना करते हैं। लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब इसी सुरक्षा की तलाश में वे लड़के की नौकरी को उसके संपूर्ण व्यक्तित्व का प्रमाणपत्र मान लेते हैं। सरकारी नौकरी मिलते ही लड़के का सामाजिक मूल्य बढ़ जाता है और विवाह के बाजार में उसकी कथित कीमत भी निर्धारित होने लगती है। यहीं से दहेज की मानसिकता को खाद-पानी मिलता है। लड़के के परिवार को लगता है कि उनके बेटे ने प्रतियोगी परीक्षाएँ पास की हैं, वर्षों मेहनत की है इसलिए विवाह में महँगी गाड़ी, नकदी, जमीन, फर्नीचर और अन्य सुविधाएँ माँगना उनका अधिकार है। दूसरी ओर लड़की का परिवार भी अपनी सामाजिक हैसियत और प्रतिष्ठा बचाने के लिए इन माँगों को पूरा करने की कोशिश करता है। कोई ब्रेजा को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लेता है तो किसी की निगाह ऑडी पर टिक जाती है। माँग पूरी न होने पर रिश्ते टूट जाते हैं और कई बार लड़की के माता-पिता अपनी आर्थिक क्षमता से बाहर जाकर कर्ज तक उठा लेते हैं। सवाल यह है कि जिस सरकारी नौकरी को बेटी के सुरक्षित भविष्य की गारंटी समझा गया था, क्या उसी नौकरी के नाम पर उसके माता-पिता को आर्थिक बोझ तले दबाना उचित है? दहेज की समस्या को केवल लड़के वालों के लालच तक सीमित करके देखने से भी सामाजिक तस्वीर अधूरी रह जाती है। लड़की पक्ष की वह मानसिकता भी आत्ममंथन की माँग करती है, जो अच्छे संस्कारों, शिक्षा, चरित्र और पारिवारिक व्यवहार की अपेक्षा सरकारी नौकरी और आर्थिक संपन्नता को सर्वोच्च स्थान देती है। जब हम स्वयं किसी व्यक्ति को उसकी नौकरी और वेतन के आधार पर सामाजिक प्रतिष्ठा देते हैं, तब अनजाने में उसी व्यवस्था को मजबूत करते हैं, जिसमें विवाह के नाम पर आर्थिक अपेक्षाएँ पैदा होती हैं। हालांकि इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि लड़की पक्ष की प्राथमिकता के कारण लड़के वालों की दहेज माँग जायज हो जाती है। माँग करने वाला ही अपने आचरण के लिए जिम्मेदार है। किसी की पसंद या अपेक्षा दूसरे व्यक्ति के शोषण का अधिकार नहीं बन सकती। वास्तविकता यह भी है कि सरकारी नौकरी की चमक के पीछे कई बार व्यक्ति के वास्तविक चरित्र को देखने की कोशिश ही नहीं की जाती। लड़का कितना जिम्मेदार है, उसका व्यवहार कैसा है, वह महिलाओं के प्रति कितना सम्मान रखता है, परिवार में निर्णय लेने की उसकी सोच क्या है, वह जीवनसाथी की स्वतंत्रता और आकांक्षाओं को कितना महत्व देगा, इन प्रश्नों को अक्सर गौण कर दिया जाता है। परिणामस्वरूप नौकरी और वेतन देखकर किए गए विवाह बाद में मानसिक उत्पीड़न, घरेलू कलह और आर्थिक दबाव का कारण बन जाते हैं। एक लड़की को केवल इसलिए अच्छा जीवन नहीं मिल सकता कि उसका पति सरकारी कर्मचारी है। अच्छा जीवन सम्मान, समानता, संवेदनशीलता और आपसी विश्वास से बनता है। यहाँ एक और कड़वी सच्चाई को समझना जरूरी है। विवाह के बाद यदि बहू से यह अपेक्षा की जाती है कि वह घर की जिम्मेदारियाँ निभाए, परिवार की प्रतिष्ठा बनाए रखे और हर परिस्थिति में समझौता करे तो दामाद से भी उतनी ही जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की अपेक्षा होनी चाहिए।

एक नजर

सुपौल में अब सुबह 8 से रात 10 बजे तक भारी वाहनों की नो-एंट्री, रविवार को भी लागू रहेगा आदेश

सुपौल,एजेंसी। शहर में लगातार बढ़ रही यातायात की समस्या और भारी वाहनों के प्रवेश से लगने वाले जाम को देखते हुए जिला प्रशासन ने नो-एंट्री की अवधि बढ़ा दी है। अब सुपौल नगर क्षेत्र में सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक भारी एवं बड़े मालवाहक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यह व्यवस्था रविवार सहित सप्ताह के सभी दिनों में प्रभावी रहेगी। इस संबंध में जिलाधिकारी सावन कुमार ने मंगलवार को आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार, ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉली, डंपर, हाइवा सहित सभी प्रकार के भारी एवं बड़े मालवाहक वाहनों का निर्धारित समय के दौरान नगर क्षेत्र में प्रवेश वर्जित रहेगा। प्रशासन का मानना है कि भारी वाहनों के प्रवेश से शहर में अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न होती है, जिससे आम लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। साथ ही यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है। हालांकि, आवश्यक एवं आपातकालीन सेवाओं को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। पुलिस, अग्निशमन, पुलिस एवं प्रशासनिक कार्यों, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति से जुड़े वाहनों तथा प्रशासन से अनुमति प्राप्त वाहनों को निर्धारित शर्तों के अनुसार आवागमन की अनुमति रहेगी। चिकित्सा सामग्री ले जाने वाले वाहनों को भी छूट दी गई है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आदेश का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग को नियमित निगरानी रखने और नो-एंट्री का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया है। इसके लिए संबंधित पदाधिकारियों एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन के इस फैसले से शहर में जाम की समस्या कम होने और आम लोगों को आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है।

रंजिश में युवक को घेरकर मारी गोली, एक गिरफ्तार, दो आरोपी फरार

सुपौल। जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र के डुमरी वार्ड संख्या-8 में मंगलवार दोपहर आपसी रंजिश को लेकर बाइक सवार तीन युवकों ने एक युवक को घेरकर गोली चला दी। गोली युवक की कनपटी के पास से गुजर गई, जिससे उसकी जान बाल-बाल बच गई। गोलीबारी की घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। घटना डुमरी वार्ड संख्या-10 निवासी विनोद प्रसाद दास के 29 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार के साथ हुई। अभिषेक के अनुसार, वह मंगलवार को बाजार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान डुमरी में बतरान जाने वाली सड़क के चौराहे पर बाइक सवार तीन युवक खड़े थे। इनमें पप्पू यादव, ब्रजेश मंडल और शक्तिकांत शामिल थे। युवकों ने उन्हें रोक लिया और पुलिस में शिकायत करने को लेकर सवाल-जवाब करने लगे। अभिषेक ने बताया कि 20 नवंबर को उक्त युवकों के साथ उनकी छीना-झपटी हुई थी। विरोध करने और शोर मचाने पर आरोपितों ने उन्हें छोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने 21 नवंबर को राघोपुर थाना में लिखित आवेदन देकर शिकायत की थी। पुलिस ने अगले दिन आरोपितों से पूछताछ भी की थी। इसी बात को लेकर मंगलवार को आरोपितों ने उन्हें घेर लिया और गोली चला दी। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने भाग रहे एक आरोपी शक्तिकांत को पकड़ लिया, जबकि दो अन्य आरोपी हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार राय ने बताया कि घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया गया है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। फरार दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है और घटना के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

खाद दुकान की जांच के दौरान एसडीओ से बदसलूकी, दुकानदार के बेटे ने लगाया पक्षपात का आरोप



सुपौल। निर्मली अनुमंडल क्षेत्र में खाद दुकानों की नियमित जांच के दौरान मंगलवार दोपहर एक दुकान पर कृषि विभाग के अधिकारियों और दुकानदार के बेटे के बीच विवाद हो गया। निर्मली नगर के मेन रोड स्थित दिव्य खाद भंडार में जांच करने पहुंचे अनुमंडल कृषि पदाधिकारी गोपाल कुमार मंडल ने दुकानदार के बेटे विनीत नाहर पर बदसलूकी करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाया। अधिकारियों के अनुसार, कृषि विभाग की ओर से प्रत्येक सीजन में खाद एवं बीज दुकानों की नियमित जांच की जाती है। इस दौरान दुकानों के लाइसेंस, उपलब्ध स्टॉक और बिक्री पंजी की जांच की जाती है। इसी प्रक्रिया के तहत टीम दिव्य खाद भंडार पहुंची थी। अधिकारियों का आरोप है कि दुकान के प्रोपराइटर के मौजूद नहीं रहने पर उनके बेटे ने जांच में सहयोग करने के बजाय अधिकारियों के साथ बदसलूकी की और जांच कराने से इनकार कर दिया। वहीं, दुकानदार के बेटे विनीत नाहर ने अधिकारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए जांच का विरोध किया। उन्होंने कहा कि जिला कृषि पदाधिकारी और अनुमंडल कृषि पदाधिकारी की मौजूदगी में ही जांच कराई जाए। उन्होंने सभी खाद दुकानों की क्रमवार जांच कराने तथा थोक विक्रेताओं से लेकर खुदरा दुकानदारों तक के स्टॉक की जांच की मांग की। विनीत नाहर ने आरोप लगाया कि वह संबंधित अधिकारी के साथ रुपये-पैसे का लेनदेन नहीं करते हैं, इसी वजह से धान के सीजन से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि सही काम को भी गलत दिखाया जा सकता है। उन्होंने बड़े अधिकारियों की मौजूदगी में एक-एक बोरी खाद की गिनती कराकर जांच कराने की बात कही। अनुमंडल कृषि पदाधिकारी ने बताया कि दुकान में उपलब्ध खाद का नमूना लेकर प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही नकली खाद या बीज के कारोबार की आशंका की पुष्टि हो सकेगी। उन्होंने मामले की जानकारी प्रशासन को देने की बात कही। मामले को लेकर जिलाधिकारी सावन कुमार ने संबंधित अधिकारियों को पूरे प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि दुकान में कोई अनियमितता थी या जांच के दौरान सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई गई।

बिहार के तीन विश्वविद्यालयों के निर्माणाधीन भवन मार्च 2027 तक होंगे पूरे : सम्राट चौधरी

पटना,एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को लोकसेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में 'बिहार गति' कार्यक्रम के तहत 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली राज्य की विकास परियोजनाओं और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उच्च शिक्षा एवं कृषि विकास से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। इस दौरान उच्च शिक्षा विभाग के सचिव राजीव रौशन ने विभाग की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक भवन, इंडोर स्टेडियम, राष्ट्रीय राजमार्ग से संपर्क पथ सहित अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पूर्णिया विश्वविद्यालय और पटना विश्वविद्यालय के भवन निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पाटलिपुत्र, पूर्णिया और पटना विश्वविद्यालयों के निर्माणाधीन भवनों सहित अन्य आधारभूत संरचनाओं का निर्माण मार्च 2027 तक हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए सभी हितधारकों से संवाद कर मास्टर प्लान तैयार करने को कहा। साथ ही, विश्वविद्यालय के छात्रावासों में केवल विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कृषि क्षेत्र की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य की कृषि प्राथमिकताएं तय करने और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत



करने के लिए नकदी फसलों की जिलावार कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कृषि योजनाओं का मुख्य उद्देश्य किसानों की आर्थिक समृद्धि सुनिश्चित करना होना चाहिए। बिहार के कृषि उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग और उनके लिए व्यापक बाजार उपलब्ध कराने पर भी उन्होंने जोर दिया। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2030 तक परिवहन और लॉजिस्टिक्स के अन्य माध्यमों को विकसित करने का निर्देश दिया, जिससे कि राज्य के कृषि उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक आसानी से पहुंचाया जा सके। सम्राट चौधरी ने कहा कि उच्च शिक्षा के आधारभूत ढांचे को मजबूत करना और कृषि क्षेत्र का विकास बिहार की प्रगति के महत्वपूर्ण आधार हैं। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारें, जिससे कि विद्यार्थियों और किसानों को उनका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

बिहार के लखीसराय में सड़क हादसा, पांच की मौत, चार की हालत नाजुक

पटना,एजेंसी। बिहार में लखीसराय जिले के लखीसराय-जमुई मुख्य मार्ग के गुणसागर गांव के पास ट्रक और स्कॉर्पियो की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि एक बच्चे समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर जुटे और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। सूचना पाकर तेतरहाट थाना पुलिस भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए लखीसराय सदर अस्पताल भेजा गया है, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, घायलों में शामिल एक मासूम समेत कई लोगों की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार हुए स्कार्पियो में सवार सभी लोग पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिले के ढाका थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि सभी लोग मोतिहारी से झारखंड के देवघर की ओर जा रहे थे। इसी यात्रा के दौरान जब उनकी स्कार्पियो तेतरहाट थाना क्षेत्र के गुणसागर गांव के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे ट्रक से उसकी सीधी टक्कर हो गई। तेतरहाट थानाध्यक्ष इलू उपाध्याय ने बताया कि स्कार्पियो सवार सभी लोग मोतिहारी से देवघर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे मालवाहक ट्रक से उनकी गाड़ी की टक्कर हो गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है, जबकि चार लोग जख्मी हैं। मृतकों और घायलों के नाम एवं पते की जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। पुलिस और परिजनों से मिली जानकारी के आधार पर मृतकों तथा घायलों की पहचान कर ली गई है। इस भीषण हादसे में स्कार्पियो चालक तारीक आलम, बादल कुमार, राकेश गुप्ता, सुनीता देवी और पल्लवी देवी की मौत हो गई है। वहीं, गंभीर रूप से घायलों में स्वीटी देवी, उज्जवल कुमार, मुन्ना कुमार और शेखर गुप्ता (एक मासूम समेत) शामिल हैं। फिलहाल तेतरहाट थाना पुलिस ने पांचों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है। हादसे की खबर जैसे ही मोतिहारी के ढाका स्थित पीड़ित परिवारों तक पहुंची, वहां मातम और कोहराम मच गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की गहन जांच कर रही है।

नीतीश कुमार के 20 वर्षों के कार्यकाल पर जदयू ने मनाया सुशासन दिवस, नगर भवन में जुटे सैकड़ों कार्यकर्ता



बक्सर। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के दो दशक के कार्यकाल को लेकर मंगलवार को बक्सर के नगर भवन में जनता दल (यूनाइटेड) जिला इकाई की ओर से 'सुशासन दिवस : नीतीश संवाद' समारोह का आयोजन किया गया। जिला अध्यक्ष राजकुमार शर्मा की अध्यक्षता एवं जिला प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार सिंह के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में पार्टी नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के मंत्री श्रीभगवान सिंह कुशवाहा एवं कार्यक्रम प्रभारी सह बिहार राज्य नागरिक परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीभगवान सिंह कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को पिछड़ेपन से बाहर निकालकर विकास की नई दिशा दी है। गांव-गांव तक बिजली, बेहतर सड़कें और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था पिछले दो दशकों में हुए बदलाव के प्रमाण हैं। वहीं डॉ. अजय सिंह ने कहा कि सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के बजाय समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम किया है। बेटियों की शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत बनाने के फैसलों ने बिहार को नई पहचान दिलाई है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में जिलाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि नगर भवन में उमड़ी भीड़ नीतीश कुमार के नेतृत्व और विकास कार्यों के प्रति लोगों के विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाने की अपील की।

नशे के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की जरूरत : न्यायाधीश डॉ. श्याम नाथ साह

सुपौल,एजेंसी। नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास और जनजागरूकता जरूरी है। नशे के खिलाफ केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को एकजुट होकर इस लड़ाई में आगे आना होगा। उक्त बातें व्यवहार न्यायालय निर्मली के अवर न्यायाधीश डॉ. श्याम नाथ साह ने मंगलवार को नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम के दौरान कही। कोशी प्रहरी सुपौल के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सुपौल के सहयोग से नालसा की DAWN योजना के तहत उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय मरौना एवं लालेश्वर नाथ हाई स्कूल, भलुआही मरौना में नशामुक्त जागरूकता एवं कल्याण नेविगेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा नशे की गिरफ्त में आ चुके लोगों को परामर्श, कानूनी सहायता और पुनर्वास से जोड़ना था। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अवर न्यायाधीश डॉ. श्याम नाथ साह, विशिष्ट अतिथि प्रमोद कुमार, यूनिसेफ जिला समन्वयक अशोक कुमार, मरौना थानाध्यक्ष, विद्यालय के प्रधानाचार्य अब्दुल मलिक नोमानी, बार एसोसिएशन प्रतिनिधि चंद्रमोहन आचार्य एवं माय भारत के स्वयंसेवक रंजु कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

अपने संबोधन में न्यायाधीश डॉ. श्याम नाथ साह ने कहा कि नशा आज समाज के सामने गंभीर चुनौती बन चुका है। इसका सबसे



अधिक प्रभाव युवा पीढ़ी और विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। नशे की लत व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ उसके परिवार और सामाजिक जीवन को भी बुरी तरह प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद एवं रचनात्मक गतिविधियों में अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए। नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए परिवार, समाज और संस्थाओं को मिलकर प्रयास करना होगा। प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि नशामुक्ति अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में मीडिया की अहम भूमिका है। समाचार पत्र, दूरदर्शन एवं अन्य संचार माध्यमों के जरिए नशे के दुष्परिणामों और इससे बचाव के उपायों के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की। मरौना थानाध्यक्ष ने कहा कि नशा व्यक्ति को अपराध, आर्थिक संकट और सामाजिक बुराइयों की ओर धकेल सकता है। इससे बचाव के लिए अभिभावकों एवं शिक्षकों को बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ उन्हें उचित मार्गदर्शन देना चाहिए। नशे से जुड़ी समस्याओं की रोकथाम में पुलिस और समाज के बीच बेहतर समन्वय भी जरूरी है।

कार्तिक पूर्णिमा पर रामरेखा घाट पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, हजारों ने लगाई गंगा में आस्था की डुबकी

बक्सर,एजेंसी। धर्म, आस्था और आध्यात्मिक चेतना के महापर्व कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार को बक्सर के गंगा घाटों पर श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ पड़ा। उत्तर वाहिनी मां गंगा के तट पर हजारों श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगाकर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। सुबह की पहली किरण के साथ ही गंगा घाटों पर हर-हर गंगे और जय मां गंगा के जयघोष गूंजने लगे। देखते ही देखते रामरेखा घाट सहित शहर के तमाम प्रमुख घाट श्रद्धालुओं से गुलजार हो उठे।

इस दौरान रामरेखा घाट पर सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली। इसी बीच बसाव पीठाधीश्वर श्री अच्युतत्य प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने भी सुबह-सुबह अपने मठ से निकलकर रामरेखा घाट पहुंचकर उत्तरायण गंगा में गंगा स्नान कर दान पुन किये। धार्मिक रीति रिवाज से कार्तिक पूर्णिमा का हिंदू धर्म में विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, भगवान विष्णु एवं मां गंगा की पूजा-अर्चना तथा जरूरतमंदों को दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक मास भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है और पूर्णिमा के दिन स्नान-दान का विशेष महत्व है। यही वजह है कि इस अवसर पर दूर-दराज से श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए बक्सर पहुंचते हैं। जहां उत्तर वाहिनी गंगा की धार्मिक महत्ता के कारण बक्सर का

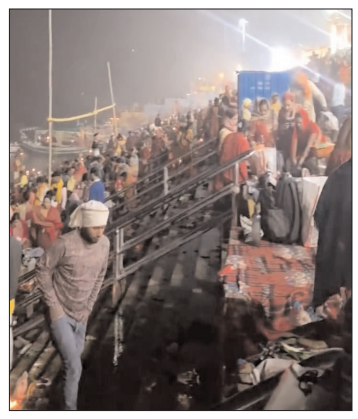

रामरेखा घाट श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र बना रहा। आपको बता दे कि शहर के रामरेखा घाट, नाथ बाबा घाट, सती घाट, गोला घाट, सिद्धनाथ घाट समेत अन्य गंगा घाटों पर सुबह से ही स्नानार्थियों की भीड़ जुटने लगी थी। सोमवार की देर रात से ही ट्रेनों के माध्यम से उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न इलाकों से श्रद्धालुओं के बक्सर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।

कई श्रद्धालुओं ने रामरेखा घाट स्थित विवाह मंडप और आसपास के मठ-मंदिरों में रात्रि विश्राम किया। इसके बाद मंगलवार की अहले सुबह गंगा स्नान कर मां गंगा की विधिवत पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने दीपदान, पुष्प अर्पण और दान-पुण्य कर परिवार की खुशहाली की मंगलकामना की। रामरेखा घाट की ओर जाने वाली वीर कुंवर सिंह चौक की सड़क सुबह होते-होते श्रद्धालुओं की भीड़ से भर गई। घाट पर स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने आसपास लगे मेले का भी आनंद उठाया। पूजा सामग्री, फूल-माला, प्रसाद और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की दुकानों पर लोगों की आवाजाही बनी रही। बच्चों और परिवार के साथ पहुंचे लोगों में मेले को लेकर खासा उत्साह देखा गया। वहीं, धार्मिक अनुष्ठानों और मंदिरों में पूजा-अर्चना का सिलसिला भी दिनभर जारी रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला एवं पुलिस प्रशासन की ओर से पहले से ही सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर तैयारियां की गई थीं। अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा एक दिन पूर्व ही यातायात का रूट निर्धारित कर दिया गया था, ताकि घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर अनावश्यक वाहनों का दबाव कम रहे। गंगा में किसी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए नावों के परिचालन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई थी। हालांकि इस निर्णय से नाव संचालकों में नाराजगी देखी गई, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने किसी प्रकार का जोखिम नहीं उठाया। घाटों एवं प्रमुख रास्तों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए महिला पुलिसकर्मियों को भी अलग-अलग स्थानों पर लगाया गया था। चोर-उचक्कों और जेबकतरों पर निगरानी रखने के साथ भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मी लगातार सक्रिय रहे। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर भी विशेष सतर्कता बरती गई।

नीतीश कुमार ने बिहार को बदहाली से निकाल विकास की नई पहचान दिलाई : डॉ. अरुण कुमार

नवादा। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 20 वर्षों के शासनकाल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नवादा के श्री कृष्ण मेमोरियल कालेज के प्रांगण में मंगलवार को आयोजित सुशासन दिवस-नीतीश संवाद कार्यक्रम में जहानाबाद के पूर्व सांसद व समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. अरुण कुमार ने उनके कार्यकाल की उपलब्धियों की विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार की शासन व्यवस्था, विकास की प्राथमिकताओं और सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण काम किया है। उनके नेतृत्व में बिहार ने बदहाली और पिछड़ेपन की छवि से बाहर निकलकर विकास की नई पहचान बनाने की दिशा में लंबा सफर तय किया है। डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि वर्ष 2005 में जब नीतीश कुमार ने बिहार की सत्ता संभाली थी, उस समय राज्य के सामने कानून-व्यवस्था, सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याएं बड़ी चुनौती थीं। उन्होंने इन चुनौतियों को अवसर में बदलने का प्रयास किया। सड़कों और पुलों का निर्माण, गांव-गांव तक बिजली पहुंचाना, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करना उनकी सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना और पोशाक योजना ने लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें राजनीतिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने का ऐतिहासिक काम किया गया। जीविका स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी उल्लेखनीय पहल हुई। डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार की राजनीति की विशेषता विकास को सामाजिक न्याय से जोड़ना रही है। हर घर नल का जल, पक्की गली-नाली, ग्रामीण सड़कों का विस्तार और बिजली जैसी योजनाओं ने आम लोगों के जीवन में बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि इन उपलब्धियों का मूल्यांकन केवल सरकारी आंकड़ों से नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में आए बदलाव से किया जाना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री सुमित कुमार सिंह ने भी नीतीश कुमार के दो दशक के कार्यकाल को बिहार के विकास और सामाजिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, महिला सशक्तीकरण और युवाओं के अवसरों के विस्तार के क्षेत्र में किए गए कार्यों ने राज्य को नई दिशा दी है। सुशासन की इस विकास यात्रा को आगे बढ़ाना और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सामूहिक जिम्मेदारी है।

एक नजर

हैमस्ट्रिंग चोट के कारण भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए ब्लेयर टिकनर



क्राइस्टचर्च,एजेंसी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। उन्हें इस सप्ताह वेलिंगटन में अभ्यास सत्र के दौरान दाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, चोट की गंभीरता का पता लगाने और मैदान पर वापसी की संभावित समय-सीमा तय करने के लिए टिकनर की सोमवार को क्राइस्टचर्च में आगे जांच की जाएगी। टिकनर की जगह मैट फिशर को टीम में शामिल किया गया है। फिशर भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की टी20 और एकदिवसीय श्रृंखला में भी खेल चुके हैं। वह दूसरे टेस्ट से पहले क्राइस्टचर्च में टीम से जुड़ेंगे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट शुक्रवार से हेगले ओवल में शुरू होगा। दोनों टीमों के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 : प्रियांश आर्य ने तमिलनाडु के खिलाफ 36 गेंदों में जड़ा शतक



इंदौर। दिल्ली के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में तमिलनाडु के खिलाफ मुकाबले में तूफानी शतक जड़ दिया। इंदौर के डेली कॉलेज मैदान पर खेले जा रहे इस मुकाबले में बाएं हाथ के बल्लेबाज आर्य ने महज 36 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। टी20 क्रिकेट में यह उनका तीसरा शतक है। आर्य ने मौजूदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अब तक तीन बार 50 से अधिक रन की पारियां खेली हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और पंजाब के खिलाफ शुरुआती दो मुकाबलों में क्रमश: 58 और 55 रन बनाए थे। इसके बाद बिहार और सौराष्ट्र के खिलाफ उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह क्रमश: शून्य तथा छह रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, आर्य ने हरियाणा के खिलाफ एक और अर्धशतक लगाकर वापसी की और अब तमिलनाडु के खिलाफ शतक जड़कर अपने शानदार प्रदर्शन में एक और उपलब्धि जोड़ ली। 25 वर्षीय आर्य आईपीएल में पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी की अहम कड़ी रहे हैं। यही वजह है कि आईपीएल 2025 की उपविजेता टीम ने उन्हें 2027 सत्र से पहले अपनी टीम में बरकरार रखा है।

विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए दिल्ली की अंडर-16 टीम घोषित, पार्थ डबास को कप्तानी

नई दिल्ली। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए दिल्ली की 16 सदस्यीय पुरुष अंडर-16 टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबला 25 नवंबर 2026 से ग्वालियर में खेला जाएगा। जूनियर पुरुष चयन समिति ने 23 नवंबर को डीडीसीए परिसर में हुई बैठक में टीम को अंतिम रूप दिया। पार्थ डबास को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि युविश सिंह उपकप्तान और विकेटकीपर की जिम्मेदारी संभालेंगे। रिवान वीर भयाना को भी टीम में विकेटकीपर के रूप में शामिल किया गया है। दिल्ली की टीम में पार्थ डबास (कप्तान), युविश सिंह (उपकप्तान एवं विकेटकीपर), सक्षम यादव, शिवांश सिंह, आरुष यादव, अर्णव शर्मा, रिवान वीर भयाना (विकेटकीपर), क्षितिज सेहरा, वेदांत गुप्ता, शौर्य चांदना, मनन माथुर, प्रणय शर्मा, अहान गर्ग, गीतांक लखेड़ा, यश माहेश्वरी और नैतिक सिंह को शामिल किया गया है। चयन समिति की बैठक में अध्यक्ष मयंक सिडाना, चयनकर्ता अभिषेक शर्मा और योगेश नागर, डीडीसीए की क्रिकेट सलाहकार समिति के सदस्य रॉबिन सिंह जूनियर, मुख्य कोच राजू शर्मा और सचिव अशोक शर्मा उपस्थित रहे।

वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026: जापान ने मलेशिया को 3-1 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चल रही वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में जापान का विजय अभियान जारी है। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में जापान ने मलेशिया को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज की। वहीं, दिन के पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया ने थाईलैंड को 1-0 से शिकस्त दी। वहीं, आज का तीसरा मुकाबला मेजबान भारतीय टीम और चीन के बीच रात 7.00 बजे से शुरू होगा। भारतीय टीम लगातार चौथी जीत के इरादे से मैदान में उतरेगी। वह अब तक अपने तीनों मैच जीतकर नौ अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। जापान के भी नौ अंक हैं, लेकिन वह दूसरे स्थान पर है। ऐसे में चीन के खिलाफ जीत भारत की शीर्ष स्थान पर स्थिति और मजबूत कर सकती है। मंगलवार को खेले गए मैच में मलेशिया की टीम ने मुकाबले में गोल करने की कोशिश की, लेकिन जापान की मजबूत चुनौती के सामने उसे 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। जापान ने पूरे मुकाबले में अपनी बढ़त बनाए रखी और अंतत: तीन गोल के मुकाबले एक गोल से जीत हासिल की। लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर जापान ने खिताब की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इससे पहले दिन के पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया ने थाईलैंड को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल पार्क सेउंगए ने 25वें मिनट में किया। इसके बाद थाईलैंड ने बराबरी के लिए प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। दोनों टीमों को पेनल्टी कॉर्नर के मौके मिले, मगर थाईलैंड उनका फायदा नहीं उठा सका। कोरिया ने अपनी एक गोल की बढ़त आखिर तक कायम रखी। भारत के सामने चीन की चुनौती आसान नहीं होगी। विश्व रैंकिंग में चीन चौथे और भारत सातवें स्थान पर है। चीन ओलिंपिक पदक विजेता टीम भी है। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों को जीत के लिए आक्रमण के साथ रक्षापंक्ति में भी बेहतर तालमेल दिखाना होगा। मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी के कोच और पूर्व ओलिंपियन समीर दाद ने भारत-चीन मुकाबले को कड़ा बताया है।

वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड दोहरा शतक, भारत ए ने यूएई को 7 विकेट से हराया



दोहा,एजेंसी। 15 वर्षीय भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ राइजिंग स्टार्स एशिया कप में ऐतिहासिक पारी खेलते हुए लिस्ट ए क्रिकेट के कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। उन्होंने महज 53 गेंदों में 204 रन ठोक दिए। इस दौरान उनके बल्ले से रिकॉर्ड 28 छक्के निकले। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर भारत ए ने 250 रन का लक्ष्य केवल 14.2 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया और सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

वैभव ने 384.90 के असाधारण स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सात चौके और 28 छक्के लगाए। उनके 204 रनों में से 196 रन चौकों और छक्कों से आए। वह 13वें ओवर में आउट हुए, तब तक भारत ए के खाते में 245 रन जुड़ चुके थे। जीत के लिए केवल पांच रन की जरूरत थी। वैभव एक और छक्का लगाकर मुकाबला खत्म करना चाहते थे, लेकिन लॉन्ग ऑफ पर कैच दे बैठे। इस पारी के साथ वैभव ने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक और सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने दोहा में महज 28 गेंदों में शतक पूरा किया, जबकि 40 गेंदों में 150 और 52 गेंदों में 200 रन के आंकड़े तक पहुंच गए। वह इससे पहले लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुके हैं। वैभव ने भारत ए की पारी की शुरुआत में पहली दो गेंदों पर कोई रन नहीं बनाया, लेकिन इसके बाद उन्होंने यूएई के गेंदबाजों पर कहर बरपा दिया। जाहिद अली के एक ओवर में लगातार तीन छक्के जड़े। पारी के तीसरे ओवर के समाप्त होने तक उन्होंने केवल 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। दूसरी ओर, उनके साथ बल्लेबाजी कर रहे अभिषेक शर्मा ने उस समय तक पांच गेंदों में केवल दो रन बनाए थे। वैभव ने छोटी गेंदों को ताकत से पुल किया, जबकि सही लंबाई की गेंदों को सामने की ओर जोरदार प्रहार के साथ सीमा रेखा के पार पहुंचाया। उन्होंने गेंदबाजों की विविधता को भी बखूबी समझा। उनके कई छक्के मैदान के बाहर गए, कुछ पेड़ों में जा गिरे और कुछ गेंदें नजरों से ओझल हो गईं। उनकी ताकत के सामने कई ऐसे शॉट भी छक्के में तब्दील हुए, जिन पर गेंद का संपर्क बहुत अच्छा नहीं था। यूएई के विकेटकीपर आफताब आलम ने वैभव के 76 रन पर रहते हुए स्टंपिंग का मौका गंवा दिया। इसके ठीक अगली गेंद पर वैभव ने गेंद को सीधे सीमा रेखा के पार पहुंचाकर भारत ए के 100 रन केवल पांच ओवर में पूरे करा दिए। वैभव को शुरुआत में अभिषेक शर्मा का साथ मिला। दोनों ने पहले विकेट के लिए केवल 21 गेंदों में 68 रन जोड़े। अभिषेक ने पांच गेंदों में 12 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद प्रभसिमरन सिंह तीन रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद वैभव और रिंकू सिंह ने तीसरे विकेट के लिए 43 गेंदों में 137 रन की तेज साझेदारी की। रिंकू ने 19 गेंदों में दो चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 27 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र एक रन बनाकर नाबाद रहे। वैभव को 13वें ओवर में कप्तान बासिल हमीद की गेंद पर आर्यांश शर्मा ने कैच किया। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट पर 249 रन बनाए। टीम की ओर से हर्षित सिंह भाटिया ने शानदार शतक लगाया। उन्होंने 144 गेंदों में 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 130 रन बनाए।

भारत के खिलाफ पूरी सीरीज के लिए जाफ्टा और मारिजने कप्प की दक्षिण अफ्रीकी टीम में वापसी

जोहानसबर्ग। भारत के खिलाफ दिसंबर में होने वाली घरेलू सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में सिनालो जाफ्टा और मारिजने कप्प की वापसी हुई है। जाफ्टा हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद तीनों प्रारूपों की टीम में शामिल की गई हैं। चोट के कारण वह जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में नहीं खेल पाई थीं। अनुभवी हरफनमौला खिलाड़ी मारिजने कप्प भी टीम में लौट आई हैं। लॉरा वोल्वार्ट की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका भारत के खिलाफ एक टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने अपनी टेस्ट टीम में आठ ऐसे खिलाड़ियों को शामिल किया है, जिन्हें अभी तक टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका नहीं मिला है। इनमें एलेक्जेंड्रा कैंडलर, ओलुहले सियो, कैटलिन वायनगार्ड, हरफनमौला एलिज-मैरी मार्क्स, नोंडुमिसो शांगासे और मियाने स्मिट शामिल हैं। इनके अलावा टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुकी युवा खिलाड़ी लुयांडा नुंजा और नथाबिसेंग निनी को भी टेस्ट टीम में जगह दी गई है। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच मंडला मशिम्बयी ने कहा, 'एलेक्स (कैंडलर) जैसी खिलाड़ी के लिए यह बहुत बड़ा मौका है। घरेलू और उभरते खिलाड़ियों के स्तर पर वर्षों तक शानदार प्रदर्शन करने के बाद उन्होंने उच्चतम स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का यह अवसर हासिल किया है। उन्होंने कहा, 'कैटलिन (वायनगार्ड) को टेस्ट और 50 ओवर के प्रारूप में चुने जाने पर भी बधाई। उन्होंने हाल के दिनों में वास्तव में प्रभावित किया है। वह उस जुनून और संघर्ष का उदाहरण हैं, जो आप किसी युवा खिलाड़ी में देखना चाहते हैं।' मशिम्बयी ने आगे कहा, 'इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा तीनों टीमों में शामिल अन्य प्रतिभाशाली खिलाड़ी, जिनमें यास्मीन (खान) और ओलुहले (सियो) भी शामिल हैं, उस बड़ी योजना का हिस्सा हैं, जिसके तहत हम इस टीम को आगे ले जाना चाहते हैं। टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है और इससे हमारी आगे की यात्रा में मदद ही मिलेगी। सीमित ओवरों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका ने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है और टीम में ज्यादातर नियमित खिलाड़ियों को जगह दी है। एकदिवसीय टीम में न्यूजीलैंड के खिलाफ इस साल मार्च-अप्रैल में खेली गई पिछली सीरीज के 11 खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : प्रियांश ने राहुल का रिकॉर्ड तोड़ा; टी20 इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाया

इंदौर। दिल्ली के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु के खिलाफ ऐतिहासिक पारी खेलते हुए भारतीय बल्लेबाज के तौर पर टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने भारतीय दिग्गज केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 68 गेंदों में 181 रन बनाए। उनकी इस पारी में सात चौके और 19 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 266 के शानदार स्ट्राइक रेट से रन बनाए। इससे पहले किसी भारतीय बल्लेबाज का टी20 में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर केएल राहुल के नाम था। राहुल ने इसी साल अरुण जेटली स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए 67 गेंदों में नाबाद 152 रन बनाए थे। यह आईपीएल इतिहास में किसी भारतीय बल्लेबाज का पहला 150 रन का स्कोर भी था।

प्रियांश अब टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रिटोरियस हैं, जिन्होंने इस साल अक्टूबर में क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की प्रो20 कप प्रतियोगिता में टाइटंस की ओर से नाइट्स के खिलाफ 79 गेंदों में नाबाद 188 रन बनाए थे। उनकी पारी में 15 चौके और 13 छक्के शामिल थे। प्रिटोरियस ने वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का 13 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। गेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 175 रन की नाबाद पारी खेली थी। प्रियांश ने अपनी पारी में 19 छक्के लगाकर एक टी20 पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। न्यूजीलैंड के फिन एलन भी एक टी20 पारी में 19 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने पिछले साल जून में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की ओर से वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों में 151 रन बनाए थे। उनकी पारी में पांच चौके और 19 छक्के शामिल थे। प्रियांश की यह पारी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में भी सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने तिलक वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने नवंबर 2024 में हैदराबाद की ओर से मेघालय के खिलाफ 151 रन बनाए थे। मुकाबले में तमिलनाडु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। प्रियांश की विस्फोटक पारी के दम पर दिल्ली ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 275 रन बनाए।

सब-जूनियर राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी करेंगे अनंतपुर, गुवाहाटी और नारायणपुर

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर, असम के गुवाहाटी और छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में 2026-27 सत्र की सब-जूनियर राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप (एनएफसी) के बालक और बालिका वर्ग के मुकाबले खेले जाएंगे। बालिका वर्ग की प्रतियोगिता 10 से 17 दिसंबर तक होगी, जबकि बालकों का टूर्नामेंट 15 से 20 जनवरी, 2027 तक आयोजित किया जाएगा।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार गुवाहाटी दोनों वर्गों की टियर-1 प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। अनंतपुर में बालिका वर्ग की टियर-2 और नारायणपुर में बालक वर्ग की टियर-2 प्रतियोगिता खेली जाएगी। अगस्त में घोषित प्रतियोगिता का नया प्रारूप पहली फीफा अंडर-15 विश्व कप और फुटबॉल महोत्सव के दिशा-निर्देशों पर आधारित है। इसके तहत मुकाबले आठ खिलाड़ियों वाली टीमों के बीच खेले जाएंगे। मैच में 20-20 मिनट के दो हाफ होंगे और मध्यांतर पांच मिनट का रहेगा। मैदान का आकार 68 मीटर लंबा और 50 मीटर चौड़ा होगा। नए प्रारूप में असीमित रोलिंग बदलाव की अनुमति होगी। इसके तहत खिलाड़ी कई बार मैदान से बाहर जाने और दोबारा खेलने के लिए मैदान में लौट सकेंगे। बदलाव खेल के दौरान मध्य रेखा से किए जा सकेंगे, जबकि गोलकीपर को बदलने के लिए खेल रुकना जरूरी होगा। टूर्नामेंट के कार्यक्रम में लगातार मैच दिवस रखे जाएंगे। इसके बाद नॉकआउट चरण शुरू होने से पहले अनिवार्य रूप से एक दिन का विश्राम दिया जाएगा। बालक और बालिका वर्ग की टियर-1 प्रतियोगिता में 16-16 टीमें हिस्सा लेंगी। प्रत्येक वर्ग की टीमों को चार-चार के चार समूहों में बांटा गया है। बालक वर्ग की टियर-2 प्रतियोगिता में भी 16 टीमें होंगी, जबकि बालिका वर्ग की टियर-2 में 14 टीमें हिस्सा लेंगी। बालिका वर्ग की टियर-2 टीमों को चार समूहों में बांटा गया है, जिनमें दो समूहों में चार-चार और दो समूहों में तीन-तीन टीमें होंगी। सभी टियर में समूह विजेता टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। टियर-2 के दोनों फाइनलिस्ट अगले सत्र में टियर-1 में पदोन्नत होंगे। उनकी जगह टियर-1 की निचले स्थान पर रहने वाली दो टीमें टियर-2 में उतरेंगी। 2025-26 सत्र में बालिका वर्ग की सब-जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश और केरल ने पदोन्नति हासिल की थी, जबकि हरियाणा और तमिलनाडु को टियर-2 में जाना पड़ा था। बालक वर्ग में तमिलनाडु और राजस्थान ने टियर-1 में जगह बनाई थी, जबकि हरियाणा और उत्तर प्रदेश टियर-2 में चले गए थे। बालिका वर्ग की टियर-1 प्रतियोगिता में झारखंड मौजूदा चैंपियन है। उसने पिछले सत्र के फाइनल में मणिपुर को 3-2 से हराकर खिताब जीता था। वहीं, बालक वर्ग की टियर-1 प्रतियोगिता का खिताब पश्चिम बंगाल के पास है, जिसने फाइनल में दिल्ली को 3-0 से मात दी थी।

बालिका वर्ग टियर-1 का समूह विभाजन

समूह ए में मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश को रखा गया है। समूह बी में झारखंड, पश्चिम बंगाल, मेघालय और केरल शामिल हैं। समूह सी में बिहार, ओडिशा, कर्नाटक और मिजोरम हैं, जबकि समूह डी में महाराष्ट्र, गुजरात, मेजबान असम और दिल्ली को जगह मिली है।

बालिका वर्ग टियर-2 का समूह विभाजन

समूह ए में अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, मेजबान आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ हैं। समूह बी में जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना, तमिलनाडु और राजस्थान शामिल हैं। समूह सी में त्रिपुरा, पुडुचेरी और गोवा हैं, जबकि समूह डी में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अंडमान एवं निकोबार को रखा गया है।

बालक वर्ग टियर-1 का समूह विभाजन

समूह ए में पश्चिम बंगाल, केरल, गुजरात और कर्नाटक हैं। समूह बी में पंजाब, झारखंड, राजस्थान और मिजोरम शामिल हैं। समूह सी में दिल्ली, मेजबान असम, तमिलनाडु और गोवा हैं, जबकि समूह डी में मणिपुर, ओडिशा, बिहार और महाराष्ट्र को जगह मिली है।

प्रो रेसलिंग लीग का छठा सत्र 3 से 19 जनवरी तक नई दिल्ली में, खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को

नई दिल्ली। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का छठा सत्र 3 से 19 जनवरी 2027 तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्वावधान में होने वाली इस प्रतियोगिता के मुकाबले केडी जाधव कुश्ती हॉल में खेले जाएंगे। लीग ने मंगलवार को संशोधित कार्यक्रम की घोषणा के साथ बताया कि आगामी सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर 2026 को मुंबई के ग्रैंड हयात होटल में होगी। छठे सत्र में छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। लीग में 86 शीर्ष पुरुष और महिला पहलवान हिस्सा लेंगे, जिनमें 34 अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता शामिल होंगे। इनमें ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के पदक विजेता पहलवान भी शामिल हैं। लीग के कार्यक्रम में बदलाव संयुक्त विश्व कुश्ती के कैलेंडर में संशोधन के कारण किया गया है। आयोजकों के अनुसार, इससे प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कार्यक्रम के अनुरूप रहेगी और भारत सहित दुनिया के शीर्ष पहलवानों को इसमें हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा।

आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी में दुनिया के कई दिग्गज पहलवानों के शामिल होने की उम्मीद है। इसमें ओलंपिक पदक विजेता, विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता और भारत के प्रमुख पहलवान भी शामिल होंगे। सभी छह फ्रेंचाइजी अपनी टीमों को मजबूत बनाने के लिए उपलब्ध खिलाड़ियों पर बोली लगाएंगी। नीलामी में लीग के पिछले रिकॉर्ड की भी चर्चा रहेगी। पिछली नीलामी में जापान की दिग्गज पहलवान युई सुसाकी सबसे महंगी खिलाड़ी बनी थीं। उन्हें 60 लाख रुपये की बोली के साथ खरीदा गया था। यह प्रो रेसलिंग लीग के इतिहास में किसी खिलाड़ी के लिए लगी सबसे बड़ी बोली थी। भारतीय पहलवानों में अमन सहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल सबसे ज्यादा मांग वाले खिलाड़ी रहे थे। इन तीनों को 50 लाख रुपये से अधिक की कीमत मिली थी। आगामी नीलामी में भी फ्रेंचाइजी की रणनीतिक खरीदारी और खिलाड़ियों पर लगने वाली बोलियों को लेकर काफी उत्साह रहने की उम्मीद है।

प्रो रेसलिंग लीग के अध्यक्ष दयान फारूकी ने कहा, 'प्रो रेसलिंग लीग ने हमेशा अपने कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कैलेंडर के अनुरूप रखा है। संयुक्त विश्व कुश्ती के कैलेंडर में संशोधन के बाद हमने छठे सत्र को 3 से 19 जनवरी 2027 तक आयोजित करने का फैसला किया है। अब हम एक नए और रोमांचक अध्याय की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को होगी। इस नीलामी में दुनिया के कुछ बेहतरीन पहलवान हिस्सा लेंगे, जिनमें विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और भारत के शीर्ष सितारे शामिल हैं। इससे अत्यंत प्रतिस्पर्धी सत्र की नींव तैयार होगी। हमारा लक्ष्य ऐसी लीग तैयार करना है, जिसमें प्रतियोगिता का उच्चतम स्तर हो, पहलवानों को शानदार मंच मिले और प्रशंसकों को यादगार अनुभव हासिल हो। हम रोमांचक नीलामी और दिल्ली में शानदार छठे सत्र के आयोजन के लिए उत्साहित हैं। प्रो रेसलिंग लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अखिल गुप्ता ने कहा, 'प्रो रेसलिंग लीग में हमारा ध्यान हमेशा विश्वस्तरीय कुश्ती मुकाबले कराने और प्रशंसकों को यादगार अनुभव देने पर रहा है। छठे सत्र में 34 अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं सहित 86 शीर्ष पहलवान हिस्सा लेंगे। हमें विश्वास है कि प्रशंसकों को एक ही मंच पर दुनिया के बेहतरीन पहलवानों के बीच मुकाबले देखने को मिलेंगे। शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पहलवानों की भागीदारी प्रतियोगिता में नया रोमांच जोड़ेगी और भारत में पेशेवर कुश्ती के स्तर को और ऊंचा करेगी।

नेत्रहीन महिला क्रिकेट : भारत-नेपाल टी-20 सीरीज की मेजबानी करेगा गुरुग्राम

गुरुग्राम। विश्व चैंपियन भारतीय महिला टीम और नेपाल के बीच नेत्रहीन महिला क्रिकेट की पांच मैचों की टी-20 द्विपक्षीय सीरीज का आयोजन गुरुग्राम में किया जाएगा। दो से आठ दिसंबर तक होने वाली यह सीरीज द बॉल पार्क क्रिकेट ग्राउंड पर खेली जाएगी। भारत में नेत्रहीनों के लिए क्रिकेट संघ (कैबी) ने समर्थानम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड और कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) साझेदार आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड के सहयोग से इस सीरीज का आयोजन किया है। मंगलवार को गुरुग्राम में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की गई।

इस अवसर पर भारतीय नेत्रहीन महिला क्रिकेट टीम की कप्तान दीपिका टीसी, कैबी के अध्यक्ष डॉ. महांतेश जी. किवादसन्नावर, आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड की नेतृत्व टीम और भारतीय महिला टीम की सभी खिलाड़ी मौजूद रहीं। प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक प्रमुख आकर्षण भारतीय महिला टीम की जर्सी का आधिकारिक अनावरण रहा। भारत में नेत्रहीनों के लिए क्रिकेट संघ (कैबी) के अध्यक्ष डॉ. महांतेश जी. किवादसन्नावर ने कहा, 'हमें अपनी विश्व चैंपियन महिला टीम पर गर्व है। इस टीम ने देशभर में दृष्टिबाधित महिलाओं के सामने एक मिसाल पेश की है। नेपाल के खिलाफ यह द्विपक्षीय सीरीज हमारी खिलाड़ियों को मूल्यवान अंतरराष्ट्रीय मैच अनुभव देगी और भारत में नेत्रहीन महिला क्रिकेट को मजबूत बनाने में मदद करेगी। आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गिरीश कौसगी ने कहा, 'भारत की विश्व चैंपियन नेत्रहीन महिला क्रिकेट टीम इस बात का सच्चा उदाहरण है कि प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और सही अवसर मिलकर क्या हासिल कर सकते हैं। हम दोनों टीमों को उनकी आगामी सीरीज के लिए शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि यह खेल भावना, साहस और दृढ़ संकल्प का उत्सव बनेगी।

इस तरह की पहल समावेशिता और सशक्तीकरण के प्रति हमारी व्यापक प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। इनके माध्यम से खेलों के जरिए अवसर पैदा करना, महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को आगे बढ़ाना तथा आवास, आजीविका और समुदाय आधारित विकास तक पहुंच का समर्थन करना शामिल है। इस द्विपक्षीय सीरीज में भारत और नेपाल की टीमें एक बार फिर आमने-सामने होंगी। इससे पहले दोनों देशों के बीच पहली महिला टी20 नेत्रहीन क्रिकेट विश्व कप में यादगार मुकाबला हुआ था, जिसमें भारत ने नेपाल को हराकर ऐतिहासिक खिताब अपने नाम किया था। आगामी पांच मैचों की सीरीज खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने, अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव हासिल करने और दृष्टिबाधित महिलाओं को क्रिकेट अपनाने के लिए प्रेरित करने का एक और अवसर देगी। भारतीय नेत्रहीन महिला क्रिकेट टीम का तैयारी शिविर 16 नवंबर 2026 को गुरुग्राम में शुरू हुआ था।

एक नजर

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने की यूक्रेन युद्ध खत्म करने की मांग



संयुक्त राष्ट्र,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि पी हरीश ने कहा कि यूक्रेन युद्ध खत्म होना चाहिए। काला सागर में जहाजों और खाद्य की आपूर्ति सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा कि यूक्रेन युद्ध पांचवें वर्ष में पहुंच चुका है। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। भारत के स्थाई प्रतिनिधि पी हरीश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान का हवाला देते हुए कहा कि दुनिया को 'कभी न खत्म होने वाले युद्ध' से आगे बढ़कर 'युद्ध के अंत' की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और काला सागर क्षेत्र मिलकर दुनिया के करीब 20 फीसद अनाज का उत्पादन करते हैं। रूस और यूक्रेन दुनिया के गेहूं, मक्का और जौ के कुल निर्यात में करीब 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखते हैं। पी हरीश ने कहा कि युद्ध से खाद्य, ईंधन और उर्वरक संकट बढ़ा है। इससे विकासशील देश (ग्लोबल साउथ के देश) सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। उन्होंने भारत के 1943 के बंगाल अकाल का जिक्र किया, जिसमें 30 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने इस अवसर पर काला सागर में जहाजों पर हमलों में अब तक चार भारतीय नाविकों की मौत और दो लापता होने का जिक्र किया। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों और नाविकों पर हमले तत्काल रोकने की मांग की। हरीश ने कहा कि भारत और लाइबेरिया ने यूएन में जहाजों और नाविकों की सुरक्षा के लिए 'ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स' पहल शुरू की है। भारत ने कहा कि वह काला सागर में जहाजों की सुरक्षा और अनाज निर्यात के लिए युद्ध के दोनों पक्षों से सीधे बातचीत कर रहा है।

नेपाल में तिब्बत की सीमा से सटे क्षेत्र में 5.6 तीव्रता का भूकंप, सिक्किम में भी महसूस हुए झटके

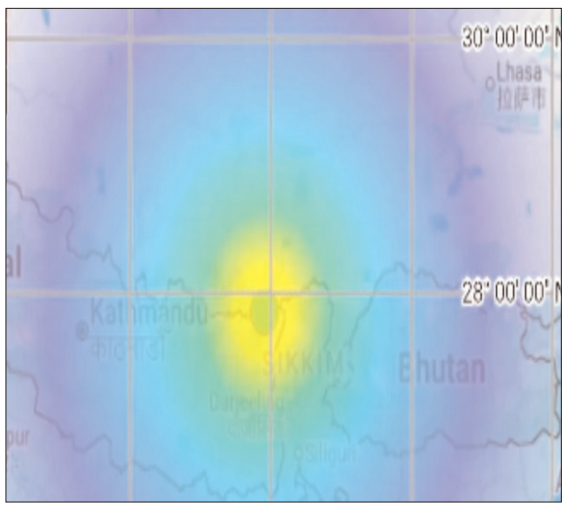

काठमांडू। नेपाल के पूर्वी सीमा क्षेत्र में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका असर सिक्किम में भी महसूस किया गया।रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.6 दर्ज की गई। राष्ट्रीय भूकंप मापन एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप सुबह 7 बजकर 17 मिनट पर आया। इसका केंद्र नेपाल के ताप्लेजुंग जिले के ओलांगचुंग गोला के निकट रही। यह इलाका तिब्बत की सीमा से सटा हुआ है। केंद्र के भूकंप विज्ञानी राजेश शर्मा ने बताया कि भूकंप के झटके कोशी प्रदेश के कुछ जिलों में भी महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने भूकंप के केंद्र को भारत के सिक्किम राज्य के मंगन क्षेत्र से लगभग 67 किलोमीटर दूर बताया है और कहा कि इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

भारत -नेपाल की सेनाओं के बीच कल से शुरू होगा संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सूर्य किरण', 14 दिनों तक चलेगा प्रशिक्षण

काठमांडू। भारत और नेपाल के बीच रक्षा एवं सैन्य सहयोग को और मजबूत करने के उद्देश्य से दोनों देशों की सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सूर्य किरण' आयोजित होने जा रहा है। इस अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए भारतीय सेना की एक टुकड़ी नेपाल पहुंच चुकी है। दोनों देशों की सेनाओं के बीच यह संयुक्त अभ्यास 25 नवंबर से 8 दिसंबर 2026 तक नेपाल में आयोजित किया जाएगा। नेपाल के रुपन्देही जिले के सालझंडी स्थित नेपाली सैनिक बैटल स्कूल में होने वाले इस अभ्यास में भारतीय सेना की 12 कुमाऊं रेजिमेंट और नेपाली सेना की ओर से ज्वालादल गण के सैनिक हिस्सा लेंगे। यह संयुक्त सैन्य अभ्यास का 20वां संस्करण है। संयुक्त अभ्यास 'सूर्य किरण' के दौरान दोनों देशों के सैनिक एक-दूसरे के साथ मिलकर विभिन्न सैन्य गतिविधियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इसका उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच आपसी तालमेल, सैन्य कौशल, पेशेवर दक्षता और संयुक्त रूप से अभियान संचालित करने की क्षमता को मजबूत करना है। इस तरह के संयुक्त अभ्यास से दोनों देशों के सैनिकों को एक-दूसरे की सैन्य कार्यप्रणाली, रणनीतियों और ऑपरेशनल अनुभवों को समझने का अवसर मिलता है। साथ ही, संयुक्त रूप से किसी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति से निपटने की क्षमता विकसित करने में भी मदद मिलती है। भारत और नेपाल के बीच वर्ष 2010 से हर साल संयुक्त सैन्य अभ्यास 'सूर्य किरण' आयोजित किया जा रहा है। इसकी खासियत यह है कि दोनों देश बारी-बारी से इस अभ्यास की मेजबानी करते हैं। यानी एक वर्ष नेपाल में और अगले वर्ष भारत में इसका आयोजन किया जाता है। इस सैन्य अभ्यास के माध्यम से दोनों देशों की सेनाओं के बीच लंबे समय से चले आ रहे रक्षा सहयोग को संस्थागत रूप दिया गया है। भारत और नेपाल के बीच भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों के साथ-साथ सैन्य सहयोग का भी विशेष महत्व है। दोनों देशों की सेनाएं विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण, अनुभवों के आदान-प्रदान और संयुक्त गतिविधियों में हिस्सा लेती रही हैं। 'सूर्य किरण' जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास भारत और नेपाल के बीच रक्षा सहयोग का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इससे दोनों देशों की सेनाओं के बीच विश्वास, आपसी समझ और समन्वय बढ़ाने में मदद मिलती है। 20वें संस्करण के आयोजन के साथ दोनों देशों की सेनाओं के बीच संयुक्त प्रशिक्षण की यह परंपरा आगे बढ़ेगी। सालझंडी में होने वाला यह अभ्यास भारत और नेपाल के सैन्य संबंधों को और मजबूत करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नेपाल में लागू हो सकता है भारत का 'पीएम गतिशक्ति' मॉडल, मोदी-बालेन के संयुक्त विजन पेपर में प्रस्ताव

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल, भारत के सफल बुनियादी ढांचा विकास मॉडल 'पीएम गतिशक्ति' को अपने यहां लागू करने पर विचार कर सकता है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की भारत यात्रा के दौरान यह विचार तेजी से उभरा है। नेपाल और भारत के प्रधानमंत्री के स्वीकृत संयुक्त विजन पेपर में इस योजना को नेपाल की भौगोलिक परिस्थितियों और विकास संबंधी प्राथमिकताओं के अनुरूप अपनाने की संभावना का उल्लेख किया गया है। 'समुन्नत नेपाल और विकसित भारत' के लक्ष्य के साथ जारी संयुक्त विजन पेपर में कहा गया है कि दोनों देश प्रधानमंत्री गतिशक्ति (पीएम गतिशक्ति) जैसे तंत्र के माध्यम से एकीकृत बुनियादी ढांचा योजना और कनेक्टिविटी नेटवर्क के विकास में सहयोग करेंगे। नेपाल अपनी भौगोलिक स्थिति और विकास की जरूरतों के अनुसार इस व्यवस्था को अपनाने पर विचार कर सकता है। संयुक्त दस्तावेज में कहा गया है, ''प्रधानमंत्री गतिशक्ति (पीएम गतिशक्ति) जैसे तंत्रों के माध्यम से एकीकृत बुनियादी ढांचा योजना और संपर्क नेटवर्क के विकास में सहयोग किया जाएगा, जिसे नेपाल अपनी भौगोलिक और विकास संबंधी प्राथमिकताओं के अनुसार अपनाने पर विचार कर सकता है।

भारत में इस योजना को 'पीएम गतिशक्ति' के नाम से जाना जाता है। हालांकि, नेपाल अपनी जरूरतों और प्राथमिकताओं के मुताबिक इसका नाम भी अलग रख सकता है। भारत लंबे समय से नेपाल में इस मॉडल को लागू करने में रुचि दिखाता रहा है। पहली बार तत्कालीन प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' की 17 मई 2023 की भारत यात्रा के दौरान भारतीय पक्ष ने इस तंत्र का



प्रस्ताव रखा था। इसके बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के कार्यकाल में भी भारत की ओर से यह प्रस्ताव दिया गया था। हालांकि, तत्कालीन सरकार की ओर से इसे लागू करने में विशेष रुचि नहीं दिखाए जाने के कारण योजना आगे नहीं बढ़ सकी। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की भारत यात्रा के दौरान भारत ने एक बार फिर इस प्रस्ताव को संयुक्त विजन पेपर में शामिल किया है। फिलहाल नेपाल का बुनियादी ढांचा विकास मंत्रालय इस व्यवस्था को लागू करने की संभावनाओं का अध्ययन कर रहा है। मंत्रालय की ओर से मिलने वाले सुझावों के आधार पर नेपाल सरकार इसके इस्तेमाल को लेकर निर्णय लेगी। भारत सरकार ने 13 अक्टूबर 2021 को 'पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' की शुरुआत की थी। इसका मुख्य उद्देश्य देश में बुनियादी ढांचे के विकास को एकीकृत, व्यवस्थित और कम खर्चीला बनाना है। इस योजना के तहत सड़क, रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह, जलमार्ग, जन परिवहन और लॉजिस्टिक्स से जुड़े बुनियादी ढांचे को एक-दूसरे के साथ जोड़कर विकास की योजना बनाई जाती है। यह अपने आप में सड़क, रेलवे या हवाई अड्डे बनाने के लिए अलग से बजट वाली कोई परियोजना नहीं है, बल्कि विभिन्न मंत्रालयों और सरकारी एजेंसियों की योजनाओं को एक ही व्यवस्था के तहत समन्वित करने वाला राष्ट्रीय प्लानिंग और डिजिटल सिस्टम है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि किसी भी नई परियोजना को शुरू करने से पहले उससे संबंधित दूसरे बुनियादी ढांचे की स्थिति और भविष्य की योजनाओं को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता है। इसके लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित डिजिटल राष्ट्रीय मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इसमें सड़क, रेलवे, हवाई अड्डे, वन क्षेत्र, नदियां, औद्योगिक क्षेत्र, बिजली की ट्रांसमिशन लाइन, जमीन और अन्य बुनियादी ढांचे से जुड़ी जानकारियां उपलब्ध रहती हैं। इससे अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों के बीच समन्वय बेहतर बनाने तथा परियोजनाओं के निर्माण में होने वाली देरी और अतिरिक्त खर्च को कम करने में मदद मिलती है। नेपाल में भी बुनियादी ढांचा निर्माण के दौरान विभिन्न मंत्रालयों और सरकारी निकायों के बीच समन्वय की कमी एक बड़ी चुनौती रही है। कई बार सड़क निर्माण के बाद पानी की पाइपलाइन बिछाने या बिजली की लाइन भूमिगत करने के लिए दोबारा सड़क खोदनी पड़ती है। इससे सरकारी खर्च बढ़ता है और आम लोगों को भी परेशानी होती है। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्रों और सड़क नेटवर्क के बीच बेहतर संपर्क का अभाव तथा माल ढुलाई की अधिक लागत भी नेपाल के लिए चुनौती बनी हुई है।

रक्सौल-काठमांडू रेलमार्ग का फील्ड लोकेशन सर्वे पूरा, अब डीपीआर तैयार करने पर नेपाल-भारत के बीच सहमति

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू को भारत के सीमावर्ती शहर रक्सौल से जोड़ने वाली प्रस्तावित विद्युतीय रेल परियोजना ने एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है। काठमांडू-रक्सौल रेलमार्ग का फील्ड लोकेशन सर्वे (स्थलीरय सर्वेक्षण) पूरा हो गया है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने इसकी आधिकारिक घोषणा की।

भारत और नेपाल की ओर से जारी संयुक्त विजन पेपर में कहा गया है कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने प्रस्तावित रक्सौल-काठमांडू इलेक्ट्रिक ब्रॉडगेज रेलमार्ग का फील्ड लोकेशन सर्वे पूरा होने की घोषणा की है। सर्वे पूरा होने के बाद अब इस परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, रेलमार्ग के निर्माण की लागत और निवेश का प्रारूप अभी तय नहीं हुआ है। नेपाल और भारत के बीच 7 अप्रैल 2018 को रेल संपर्क विस्तार को लेकर सहमति बनी थी। इसी समझौते के तहत भारत के सीमावर्ती शहर रक्सौल को नेपाल की राजधानी काठमांडू से जोड़ने के लिए नई विद्युतीय रेल लाइन बनाने का प्रस्ताव रखा गया था। इस परियोजना का वित्तीय प्रबंधन भारत की ओर से किए जाने की बात कही गई थी। फाइनल लोकेशन सर्वे के लिए 8 अक्टूबर 2021 को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय समझौता (एमओयू) हुआ था। इसके तहत भारत की आर्थिक और तकनीकी सहायता से सर्वे का काम आगे बढ़ाया गया।

भारत ने वर्ष 2023 में ही इस रेलमार्ग का फाइनल लोकेशन सर्वे तैयार कर नेपाल सरकार से उस पर राय और सुझाव मांगे थे। भारतीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी 20 मार्च 2026 को राज्यसभा में जानकारी देते हुए बताया था कि रक्सौल-काठमांडू रेलमार्ग का फाइनल लोकेशन सर्वे पूरा हो चुका है। उस समय उन्होंने इसकी लंबाई 136 किलोमीटर बताई थी। हालांकि, प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा के दौरान जारी जानकारी के अनुसार, सर्वे की नवीनतम रिपोर्ट में रेलमार्ग की लंबाई 140.79 किलोमीटर बताई गई है। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित रेलमार्ग का लगभग 41 किलोमीटर हिस्सा सुरंगों से होकर गुजरेगा, जबकि शेष हिस्सा जमीन की सतह पर बनाया जाएगा। इस रेल परियोजना के तहत 122 छोटे और 101 बड़े पुलों का निर्माण प्रस्तावित है। इनमें 18 लंबे और जटिल प्रकृति के पुल भी शामिल हैं।

बांग्लादेश में धरपकड़ तेज, ग्रामीण बैंक की शाखाओं पर हमले, पूर्व सांसद गिरफ्तार

ढाका। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिसंबर में देश लौटने की घोषणा के बाद मची हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता के बाद घबराई सरकार ने विपक्षी नेताओं से मंत्रणा शुरू कर दी है। दूसरी ओर प्रतिबंधित अवामी लीग के नेताओं और अन्य के खिलाफ शिकंजा कसा जा रहा है। इस बीच अंतरिम सरकार के पूर्व मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने आरोप लगाया है कि नवंबर की शुरुआत से ही ग्रामीण बैंक की शाखाओं पर लगभग हर दिन पेट्रोल बम से हमले किए जा रहे हैं। अकेले इसी महीने देश भर में बैंक की लगभग 100 शाखाओं पर इसी तरह से हमले किए गए हैं। इस सबके बीच पुलिस ने एक और पूर्व सांसद को गिरफ्तार किया है।

प्रोथोम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के जेस्सोर-6 निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व सांसद मो. अजीजुल इस्लाम को डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) पुलिस ने लालमाटिया से गिरफ्तार किया है। उन्हें सोमवार दोपहर गिरफ्तार किया गया। डीबी पुलिस के तेजगांव डिवीजन के डिप्टी कमिश्नर जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद अजीजुल इस्लाम को डीबी कार्यालय लाया गया। गिरफ्तार पूर्व सांसद अजीजुल इस्लाम 33 वर्ष के हैं। उनका घर जेस्सोर के केशवपुर में है। डीबी पुलिस के अनुसार, जेस्सोर में अजीजुल के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। अजीजुल इस्लाम ने 2024 के 12वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में जेस्सोर-6 (केशवपुर) निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी। उन्होंने अवामी लीग के उम्मीदवार और जेस्सोर जिला अवामी लीग के महासचिव शाहीन चकलादर को हराया था। माना जाता है कि अजीजुल इस्लाम को केशवपुर की पूर्व सांसद और पूर्व लोक प्रशासन राज्यमंत्री दिवंगत इस्मत आरा सादेक का समर्थन प्राप्त था। अजीजुल इस्लाम एक समय वे केशवपुर उपजिला में 'छात्र लीग' के संयुक्त संयोजक थे। बाद में, वे जिला परिषद के सदस्य के रूप में चुने गए। बांग्लादेश में छात्र लीग अब प्रतिबंधित है। अंतरिम सरकार के पूर्व मुख्य सलाहकार प्रो. यूनुस ने ग्रामीण बैंक की शाखाओं पर हो रहे हमलों को रोकने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। प्रोफेसर के अनुसार, बैंक शाखाओं पर हमले के दौरान 'जय बांग्ला' के नारे लगाए जा रहे हैं। इस माह अब तक 100 शाखाओं पर हमले हो चुके हैं।

शेख हसीना के गृह जिला गोपालगंज में अवामी लीग के जुलूस पर विवाद, बम चले, दुकानें फूंकी, 30 घायल

ढाका (बांग्लादेश)। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का पैतृक गृह जनपद और देश के राजनीतिक गढ़ के रूप में मशहूर गोपालगंज में सोमवार शाम और रात को जमकर देसी बम फूटे। कम से कम 12 दुकानों को आग के हवाले कर दिया गया। इस दौरान लगभग 30 लोग घायल हो गए। यह घटनाएं हसीना की पार्टी अवामी लीग और उससे संबद्ध संगठनों के दिन में निकाले गए जुलूस को लेकर हुए विवाद के बाद हुईं।

द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिबंधित अवामी लीग के गोपालगंज शहर व अन्य स्थानों पर निकाले गए जुलूस पर हुए विवाद के बाद हिंसा भड़क गई। यह खूनखराबा गोपालगंज शहर के लॉन्च घाट और गोपालगंज क्रिकेट स्टेडियम के आसपास के इलाकों और कोतालीपाड़ा उपजिला के दक्षिण हिरन गांव में हुआ। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सोमवार दोपहर अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के कार्यकर्ताओं ने गोपालगंज शहर के लॉन्च घाट इलाके से एक जुलूस निकाला। जुलूस के बाद एक रैली में पार्टी नेताओं के बगल में खड़े होने को लेकर घोषरचर गांव के एक युवक और चारमानिकदाह गांव के कुछ युवकों के बीच बहस हो गई। इस घटना के कारण शाम को दोनों गांवों के निवासियों के बीच झड़पें शुरू हो गईं।

गोपालगंज क्रिकेट स्टेडियम के पास की सड़क पर दोनों गुटों के बीच देसी हथियारों के साथ आमना-सामना हुआ और एक-दूसरे का पीछा किया गया। झड़प के दौरान चार देसी बम फटे और फूलों की कम से कम सात दुकानों में तोड़फोड़ की गई। इस घटना में कम से कम 20



लोग घायल हुए हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, इनमें से पांच गंभीर रूप से घायल लोगों को गोपालगंज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी लोगों को प्राथमिक उपचार दिया गया। गोपालगंज मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सहायक निदेशक डॉ. नियाज़ महमूद ने बताया कि शाम को एक झड़प में घायल हुए कई लोग अस्पताल आए। कुछ लोग प्राथमिक उपचार के बाद चले गए, जबकि कई अन्य अस्पताल में भर्ती रहे। गोपालगंज सदर थाना के इंस्पेक्टर (जांच) मो. सिराजुल इस्लाम ने कहा, 'हमें घटना के बारे में शुरुआती जानकारी मिली है। अभी तक किसी ने थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। अगर कोई शिकायत दर्ज कराई जाती है,तो जांच के बाद जरूरी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।' इस बीच, कोतालीपाड़ा उपजिला के दक्षिण हिरन गांव में अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के निकाले गए जुलूस को लेकर दो गुटों के बीच बहस हो गई, जिसके बाद झड़प हो गई। इस घटना में 10 लोग घायल हो गए और पांच दुकानों में तोड़फोड़ की गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सोमवार शाम को हिरन यूनियन में अवामी लीग, जुबो लीग और प्रतिबंधित संगठन छात्र लीग के कार्यकर्ताओं ने एक जुलूस निकाला। जब यह जुलूस दक्षिण हिरन गांव पहुंचा तो जुबो लीग के नेता और हिरन यूनियन परिषद के चेयरमैन पद को उम्मीदवार मशियुर रहमान और एक अन्य नेता मुंशी रायच उद्दीन के भाई शफीकुल इस्लाम के बीच बहस हो गई। इसके बाद उनके समर्थकों के बीच झड़प हो गई। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को कोतालीपाड़ा उपजिला स्वास्थ्य परिसर में भर्ती कराया गया।

जेन्सेन हुआंग की एनवीडिया में वापसी तो हुई पर संदेह के बादल छंटे नहीं, अगले सप्ताह अमेरिकी कांग्रेस के सामने देनी होगी गवाही

वाशिंगटन,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका की चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया में जेन्सेन हुआंग की वापसी से विवाद बढ़ गया है। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) की कई समितियों ने पुष्टि की है कि हुआंग अगले सप्ताह सांसदों के सामने पेश होकर सवालों के जवाब देंगे। इस मामले में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों दलों के सांसदों ने चिंता जताई है। एनवीडिया के पूर्व प्रमुख जेन्सेन हुआंग को फिर कंपनी का अध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और निदेशक मंडल का सदस्य नियुक्त करने पर गंभीर सवाल उठे हैं।

एक्सिओस और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार. हुआंग ने इस महीने की शुरुआत में निजी संबंधों से जुड़े विवादों और कथित चीनी जासूसी संपर्कों की खबरों के बीच अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, 23 नवंबर को कंपनी के निदेशक मंडल ने उन्हें फिर से कंपनी का अध्यक्ष और सीईओ नियुक्त कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनकी वापसी का स्वागत किया है। बताया गया है कि हुआंग पहली दिसंबर को प्रतिनिधि सभा की तीन समितियों के सामने पेश होंगे। इनमें खुफिया मामलों की समिति, विदेश मामलों की समिति और चीन से जुड़े मामलों की विशेष समिति शामिल हैं। इसके अलावा, सीनेट की बैंकिंग समिति ने भी उन्हें तीन दिसंबर को गवाही के लिए तलब किया है। खबर है कि एनवीडिया के जनरल काउंसिल टिम टीटर दो दिसंबर को इन समितियों के सामने स्वेच्छा से अपना पक्ष रखने पर सहमत हो गए हैं। खुफिया मामलों की समिति के प्रवक्ता ने कहा कि हुआंग को दोबारा सीईओ बनाए जाने से कांग्रेस की जांच पर कोई असर नहीं पड़ेगा। समिति का कहना है कि कंपनी के प्रमुख रहते हुए भी उनसे सवाल पूछे जाने थे और पद छोड़ने के बाद भी जांच जारी थी। अब उनकी वापसी से भी स्थिति नहीं बदलेगी। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई गंभीर सवालों के जवाब अभी मिलने बाकी हैं। डेमोक्रेट सांसदों ने जताई नाराजगी: सीनेट में विपक्ष के नेता चक शूमर ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी ट्रंप प्रशासन, जेन्सेन हुआंग और एनवीडिया के अन्य अधिकारियों से जुड़े किसी भी गलत काम की जांच के लिए पूरी ताकत लगाएगी। सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने भी कहा कि हुआंग की वापसी से कंपनी की जवाबदेही खत्म नहीं हो जाती। कंपनी के अधिकारियों और निदेशक मंडल को कांग्रेस के सामने जवाब देना होगा। उन्होंने निर्यात नियंत्रण से जुड़े कानूनों को जल्द लागू करने की जरूरत भी बताई। उनका कहना है कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एनवीडिया ऐसे कानूनों को रोकने के लिए दबाव न बनाए, जिनका उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करना है। प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीज ने हुआंग की वापसी के फैसले को अनुचित और गैर-जिम्मेदाराना बताया। उन्होंने कंपनी और अमेरिकी



वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक की भूमिका की व्यापक जांच कराने की मांग की है। कैलिफोर्निया के सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने भी इस मामले में राष्ट्रपति ट्रंप की कथित भूमिका पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि यदि किसी राष्ट्रपति का किसी निजी कंपनी में निवेश है, तो उसे उस कंपनी के बोर्ड के फैसलों को प्रभावित नहीं करना चाहिए। रिपब्लिकन सांसदों ने भी उठाए सवाल: हुआंग की वापसी को लेकर केवल डेमोक्रेटिक सांसद ही सवाल नहीं उठा रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के कुछ नेताओं ने भी कंपनी के फैसले पर संदेह जताया है। टेक्सास के सीनेटर जॉन कॉर्निन ने कंपनी बोर्ड के उस दावे पर सवाल उठाया, जिसमें कहा गया था कि हुआंग की वापसी से राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। यूटा के सीनेटर जॉन कर्टिस ने भी पूछा कि आखिर ऐसा क्या बदल गया कि कुछ ही दिनों में बोर्ड ने अपना फैसला पलट दिया। उन्होंने कहा कि पहले कंपनी ने हुआंग को वापस लाने की कोई योजना नहीं होने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्हें फिर से सीईओ बना दिया गया। यह सब उस समय हुआ है, जब उनके खिलाफ स्वतंत्र जांच अभी जारी है। नॉर्थ डकोटा के सीनेटर केविन क्रेमर ने तो हुआंग की दोबारा नियुक्ति पर ही सवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि चीन से जुड़े सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए उन्हें फिर से कंपनी की जिम्मेदारी नहीं दी जानी चाहिए। क्रेमर ने अमेरिका में निर्यात नियंत्रण कानूनों को और सख्त बनाने की मांग की।

चीन को चिप निर्यात भी जांच के दायरे में: इस पूरे विवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू एनवीडिया के चिप निर्यात से जुड़ा है। अमेरिकी सांसद यह जानना चाहते हैं कि कंपनी ने चीन सहित दूसरे देशों को अपने अत्याधुनिक चिप बेचने के दौरान अमेरिकी निर्यात प्रतिबंधों का पूरी तरह पालन किया या नहीं। अमेरिकी सरकार को आशंका है कि अत्याधुनिक चिप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी तकनीक चीन की सैन्य और तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने में इस्तेमाल हो सकती है। इसी वजह से अमेरिका ने चीन को कुछ उन्नत चिप बेचने पर प्रतिबंध और नियंत्रण लगा रखे हैं। अब कांग्रेस की सुनवाई में हुआंग से कंपनी की कारोबारी नीतियों, चीन को चिप निर्यात और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों पर सवाल पूछे जाने की संभावना है। ट्रंप की अपील का असर: कंपनी के अनुसार, बोर्ड ने हुआंग के साथ कई दौर की बातचीत और बैठकों के बाद उनकी वापसी का फैसला किया। बोर्ड का कहना है कि उसे हुआंग की स्पष्टवादिता और नेतृत्व क्षमता पर भरोसा है। इस फैसले से पहले अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से भी राय ली गई। हुआंग की वापसी के पीछे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका भी अहम मानी जा रही है। ट्रंप लगातार कंपनी के बोर्ड से उन्हें फिर से कंपनी की कमान सौंपने की अपील कर रहे थे। इस मुद्दे पर अमेरिकी प्रशासन के भीतर भी अलग-अलग राय सामने आई थी।

एक नजर

सर्बिया में नौकरी का झांसा देकर दिल्ली के होटल में 45 दिन तक बंधक बनाकर रखे गए नेपाल के तीन नागरिकों को मुक्त कराया गया



नई दिल्ली/काठमांडू। विदेश में अच्छी नौकरी और बेहतर भविष्य का सपना दिखाकर सर्बिया भेजने के बहाने दिल्ली लाकर नेपाल के तीन नागरिकों को करीब 45 दिन तक एक होटल के कमरे में बंधक बनाकर रखा गया। नेपाल पुलिस, नेपाली दूतावास, दिल्ली पुलिस और एक सामाजिक संस्था के संयुक्त प्रयास से तीनों को सुरक्षित मुक्त करा लिया गया। सगरमाथा पर्वतारोही कल्पना महर्जन के अनुसार, तीनों नागरिकों को सर्बिया में रोजगार दिलाने का प्रलोभन देकर नई दिल्ली पहुंटाया गया । यहां उन्हें एक होटल के कमरे में बंधक बनाकर रखा गया । इसकी सूचना मिलने पर नेपाल पुलिस के मानव तस्करी जांच ब्यूरो, नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास, दिल्ली पुलिस और सामाजिक संस्था 'किन इंडिया' ने कार्रवाई शुरू की। संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय और संयुक्त प्रयास के बाद तीनों नेपाली नागरिकों को सुरक्षित मुक्त करा लिया गया। शनिवार को मुक्त कराए गए इन तीनों को नेपाली दूतावास के सहयोग से मंगलवार सुबह काठमांडू पहुंचाया गया। वहां उनसे पूछताछ की जा रही है। सामाजिक संस्था 'किन इंडिया' के निदेशक नवीन जोशी के अनुसार, एक अवैध मानव तस्करी गिरोह ने तीनों नेपाली नागरिकों को विदेश में रोजगार दिलाने का आश्वासन देकर दिल्ली पहुंचाया। उन्हें सर्बिया भेजने का प्रलोभन दिया गया और दिल्ली के एक होटल में बंधक बनाकर रखा गया। जोशी ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद संबंधित सरकारी और सुरक्षा एजेंसियों से तत्काल संपर्क कर तीनों की सुरक्षित रिहाई के लिए पहल की गई। उन्होंने कहा कि विदेश में रोजगार दिलाने के नाम पर नेपाली नागरिकों को शोषण और मानव तस्करी के जोखिम में डालने वाली ऐसी घटनाओं को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इस तरह के मामलों को रोकने के लिए सरकारी निकायों को अधिक सतर्क और जिम्मेदार होना होगा। इस घटना ने एक बार फिर विदेश में रोजगार के नाम पर नेपाली नागरिकों को निशाना बनाने वाले मानव तस्करी गिरोहों के खतरे को उजागर किया है। नेपाल की सरकारी समाचार एजेंसी ने आधिकारिक रूप से तीनों के काठमांडू पहुंचने की खबर दी है।

सऊदी अरब की गगनचुंबी इमारत पर फिर हमला, गठबंधन ने बताया आतंकवादी कार्रवाई

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में स्थित देश की सबसे ऊंची इमारत पब्लिक इन्वेस्टमेंट फंड (पीआईएफ) टावर को मंगलवार को एक बार फिर निशाना बनाया गया। बीते दिनों में इस इमारत पर यह दूसरा हमला है। यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ रहे गठबंधन ने घटना को 'कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला' करार दिया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, तीन प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि 80 मंजिला पीआईएफ टावर पर हमला हुआ। यह इमारत किंग अब्दुल्ला फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में स्थित है और इसमें सऊदी अरब का संप्रभु संपत्ति कोष का मुख्यालय है। इससे पहले 19 नवंबर को भी इस इमारत को निशाना बनाया गया था। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मलिकी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वित्तीय केंद्र की एक इमारत पर कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला किया गया है। उन्होंने हालांकि इमारत का नाम नहीं बताया। उनके मुताबिक, संबंधित अधिकारी घटनास्थल का निरीक्षण कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमले के बाद पुलिस ने वित्तीय जिले के कुछ प्रवेश मार्गों को बंद कर दिया। इलाके में लगे एक लाउडस्पीकर वाले वाहन के जरिये लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी भी दी गई। हालांकि, राजधानी में किसी संभावित खतरे को लेकर मोबाइल फोन पर कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया था। वित्तीय जिले के एक रेस्तरां में काम करने वाले कर्मचारी ने मीडिया को बताया कि इमारत पर हमले की सूचना मिलने के बाद वहां मौजूद लोगों को बाहर निकाला गया। सड़कों को बंद कर दिया गया और लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई।

लाचित बरफूकन केवल असम ही नहीं, पूरे भारत का गौरव हैं: पीयूष हजारिका

गुवाहाटी। असम के कृषि, सिंचाई एवं संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने मंगलवार को नई दिल्ली में ऑल ताई अहोम स्टूडेंट्स यूनियन (एटीएएसयू) की केंद्रीय समिति द्वारा आयोजित केंद्रीय लाचित दिवस समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने महान अहोम सेनापति वीर लाचित बरफूकन को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह को संबोधित करते हुए हजारिका ने कहा कि लाचित बरफूकन असम के शौर्य, देशभक्ति, साहस और आत्मसम्मान के प्रतीक हैं। वह केवल असम का गौरव नहीं, बल्कि पूरे भारत के महान नायक हैं। उनके असाधारण योगदान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान मिलनी चाहिए।

मंत्री ने कहा कि लचित बरफूकन को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर छत्रपति शिवाजी महाराज जैसी महान ऐतिहासिक हस्तियों के समान सम्मान और पहचान मिलनी चाहिए। उन्होंने उनके प्रेरणादायक जीवन और वीरता की गाथा देश के कोने-कोने तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। असम की एकता पर जोर देते हुए हजारिका ने लोगों से व्यक्तिगत और सामुदायिक मतभेदों से ऊपर उठकर एकजुट असमिया समाज के रूप में खड़े होने की अपील की। उन्होंने कहा कि असम की असली ताकत उसकी एकता, साझा विरासत और सामूहिक पहचान में निहित है। 1671 के ऐतिहासिक सराईघाट युद्ध का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि लाचित बरफूकन के असाधारण



नेतृत्व और सैन्य कौशल ने मुगल सेना के खिलाफ असम की संप्रभुता की रक्षा की थी। उनका जीवन आज भी देशभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है। हजारिका ने वर्ष 2022 में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती के भव्य आयोजन का भी उल्लेख किया। उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में उनके सम्मान में सर्वश्रेष्ठ कैडेट के लिए लाचित बरफूकन स्वर्ण पदक शुरू किए जाने और उनकी प्रतिमा स्थापित किए जाने को भी महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। राष्ट्रीय राजधानी में समारोह आयोजित करने के लिए एटीएएसयू की सराहना करते हुए मंत्री ने कहा कि संगठन असम के गौरवशाली इतिहास और विरासत को देशभर में पहुंचाने का सराहनीय प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्घेरिटा सहित कई गणमान्य व्यक्ति, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि और अहोम समुदाय के सदस्य भी समारोह में शामिल हुए। अंत में हजारिका ने असम की पहचान और आत्मसम्मान की रक्षा के लिए सभी से एकजुट होकर कार्य करने तथा वीर लचित बरफूकन को देश और दुनिया में उनका उचित सम्मान दिलाने का आह्वान किया।

बंगाल में बनेगा गुरु नानक भवनः शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को गुरु नानक जयंती के अवसर पर राज्य में गुरु नानक देव के नाम पर एक भवन निर्माण की घोषणा की। प्रकाश पर्व के मौके पर डानकुनी स्थित एक गुरुद्वारे में पहुंचे मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि यदि बंगाल में हज भवन बन सकता है, तो गुरु नानक के नाम पर भवन क्यों नहीं बनाया जा सकता? भवन निर्माण की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'गुरु नानक जी के नाम पर भवन बनाया जाएगा। इससे बड़ी उपलब्धि और कुछ नहीं हो सकती। पूर्ववर्ती सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकार केवल एक ही समुदाय को अल्पसंख्यक के रूप में मान्यता देती थी, लेकिन हमारी सरकार सभी को समान सम्मान देती है।

सिख और जैन सभी अल्पसंख्यक हैं और उनके विकास के लिए काम किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सिख समुदाय के लिए कई विकास योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रकाश पर्व के दिन प्रणाम करने आज यहां आया हूं। मेरे साथ मंत्री उमेश राय भी उपस्थित हैं। इस गुरुद्वारे के साथ मेरा बहुत पुराना संबंध है। आपने अवसर दिया है और मैं बार-बार यहां आया हूं। इससे पहले 14 नवंबर को मैं कोलकाता के बड़ाबाजार गुरुद्वारे भी गया था। सिख समुदाय को अपना 'आत्मीय' बताते हुए उन्होंने घोषणा की कि यहां एक कम्युनिटी हॉल का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक बड़ी जमीन और अत्यंत महत्वपूर्ण सेवा केंद्र है, जहां समुदाय के उत्थान के लिए कार्य किए जाएंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाइवे) से जुड़ी जो समस्या है, उसे बातचीत के जरिए सुलझा लिया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने आगामी गंगासागर मेले का जिक्र करते हुए कहा कि गंगासागर मेले के लिए कई शिविर (कैंप) बनाए जा रहे हैं, जिनमें से एक डानकुनी में भी स्थापित होगा। इसकी जिम्मेदारी पुलिस और सरकारी अधिकारियों के पास रहेगी। यह मेला नौ से 17 जनवरी तक चलेगा। उन्होंने सिख समुदाय से मेले में भी सेवा प्रदान करने का अनुरोध किया। गुरुद्वारे से अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मैं आपका आत्मीय हूं। 'ओल्ड इज़ ऑलवेज गोल्ड' । जब मुझे कहीं और जाने की अनुमति नहीं दी जाती थी, तब मैं यहीं आता था।

सिख गुरुओं ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए किया सर्वस्व अर्पित : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर राजापार्क में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को नमन किया, मत्था टेका और प्रदेशवासियों से श्री गुरू नानक देव जी के प्रेम, सेवा, समानता और मानवता के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंधकार और चुनौतियों के दौरान श्री गुरु नानक देव जी ने बिना किसी भय के सत्य का बिगुल बजाया। उनकी हजारों मील की कठिन यात्राओं में दुर्गम बाधाएं आईं, लेकिन वे कभी नहीं रुके। उनका जीवन हमें सिखाता है कि चुनौतियां होने के बावजूद एक सच्चे सेवक को घबराए बिना अपने लक्ष्य और समाज के कल्याण के प्रति समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी का संदेश है कि ईश्वर का स्मरण करें, ईमानदारी और परिश्रम से कमाएं और जरूरतमंदों के साथ बांटें। इस संदेश से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार प्रदेश के विकास, जनसेवा और अंतिम छोर के व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। हमारे लिए राजनीति सत्ता का नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने समाज को सिखाया कि ईश्वर एक है और उसकी नजर में सभी मनुष्य समान हैं। सच्चा धर्म अच्छे कर्म, ईमानदारी और मानव सेवा में ही निहित है। लंगर सेवा समानता और सेवा भावना का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने सिख गुरुओं के त्याग, समर्पण, साहस और बलिदान की महान परंपराओं का स्मरण करते हुए कहा कि सिख गुरुओं ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया।

उन्होंने नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी को नमन करते हुए कहा कि धर्म और आस्था की स्वतंत्रता तथा मानव अधिकारों की रक्षा के लिए उनका बलिदान अद्वितीय है। दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन त्याग, वीरता और धर्म की रक्षा का उत्कृष्ट उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करतारपुर कॉरिडोर खोलने का ऐतिहासिक निर्णय कर करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान किया। वहीं, श्री गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत की स्मृति में 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत कर प्रधानमंत्री ने नई पीढ़ी को उनके अदम्य साहस, त्याग और बलिदान से परिचित कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिख समुदाय के कल्याण, उत्थान और धार्मिक आस्था से जुड़े स्थलों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में जयपुर स्थित गुरुद्वारा श्री तेग बहादुर साहिब जी तथा अनूपगढ़ स्थित बुड्ढा जोहड़ गुरुद्वारा में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के विद्यार्थियों के छात्रावास हेतु भूमि का आवंटन हो चुका है तथा इसका कार्य शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा।

सिख गुरुओं ने धर्म के लिए बलिदान दियाः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, एजेंसी। सिख पंथ के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 557वें पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर मंगलवार को लखनऊ के डीएवी पीजी कालेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को गुरू नानक का चित्र व सरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया।

श्री गुरु नानक देव जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि सिख गुरुजनों की पवित्र शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा उनके त्याग और योगदान से वर्तमान पीढ़ी को निरंतर अवगत कराते रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक भारत सिख गुरुजनों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखेगा, दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल-बांका नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा सच्ची आध्यात्मिकता वह है, जो किसी अत्याचार और अन्याय का डटकर मुकाबला कर सके। कालांतर में सिख गुरुजनों का त्याग और बलिदान उसकी एक मिसाल बनी थी। गुरू तेग बहादुर का बलिदान, गुरू गोविंद सिंह और उनके साहबजादों का बलिदान, आजादी की लड़ाई में सिख क्रान्तिकारियों का योगदान उसी आध्यात्मिकता की प्रेरणा से प्रेरित था। सिख गुरूओं ने धर्म के लिए बलिदान स्वीकार किया लेकिन आक्रान्ताओं के सामने सिर झुकने नहीं दिया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुरू नानक देव महाराज का उद्देश्य था असत्य पर सत्य व अधर्म



पर धर्म की विजय होनी चाहिए। समाज बिखरा हुआ था जाति व छुआछूत का भेद था। विदेशी हमले हो रहे थे। ऐसे समय में श्री गुरु नानक देव जी महाराज ने संपूर्ण मानवता को एक ओंकार का मंत्र दिया। इस अवसर पर डा.अमर जोत सिंह, सरदार मनमीत सिंह, सरदार हरविंदर सिंह, सरदार राजू गांधी वीर, सरदार परविंदर सिंह, मोनी बख्शी, सरदार सतनाम सिंह उपस्थित रहे।

गुरु नानक जयंती पर शाम के सत्र में खुला एमसीएक्स, सोने-चांदी में नरमी का रुख

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरु नानक जयंती के सार्वजनिक अवकाश के कारण आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) का सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलने वाला पहला सत्र बंद रहा। हालांकि पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक शाम 5 बजे से दूसरे सत्र का कारोबार शुरू हो गया है। एनसीडीईएक्स के जरिये संचालित होने वाला कृषि उपज बाजार पूरे दिन बंद रहा है। आज सुबह के सत्र में अवकाश रहने के बाद शाम के सत्र में एमसीएक्स पर सामान्य कारोबार की शुरुआत हो गई है। रात 11:30/11:55 बजे तक चलने वाले शाम के सत्र में सोना, चांदी, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और बेस मेटल्स सहित सभी गैर-कृषि कमोडिटी कॉन्ट्रैक्ट्स में सामान्य ट्रेडिंग हो रही है। शाम के सत्र के कारोबार में कीमती धातुओं पर ऊपरी स्तर से हल्की मुनाफावसूली का दबाव नजर आ रहा है, जबकि कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) और औद्योगिक धातुओं (बेस मेटल) में मिले-जुले रुझान के साथ खरीद-बिक्री जारी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें, तो आज कॉमेक्स पर स्पॉट सोना मामूली नरमी के साथ 3,631.20 डॉलर प्रति औंस और स्पॉट चांदी 1.03 प्रतिशत फिसल कर 42.69 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार करती नजर आई। इसका असर घरेलू वायदा बाजार के शाम के सत्र पर भी पड़ रहा है। एमसीएक्स पर चार दिसंबर की एक्सपायरी वाला सोना पिछले बंद स्तर 1,26,021 रुपये के मुकाबले करीब 0.74 प्रतिशत यानी 929 रुपये की नरमी के साथ 1,25,067 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार करता नजर आ रहा है। सोने की ही



तरह चांदी की कीमतों में भी शाम के सत्र में ऊपरी स्तर से मुनाफावसूली का दबाव बना हुआ है। एमसीएक्स पर चार दिसंबर की एक्सपायरी वाली चांदी पिछले बंद स्तर 1,54,205 रुपये के मुकाबले करीब 2.09 प्रतिशत यानी 3,217 रुपये फिसल कर 1,51,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर के आसपास कारोबार कर रही है। हालांकि, चांदी अभी भी 1.50 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर टिकी हुई है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार मजबूत अमेरिकी डॉलर की वजह से ऊपरी स्तरों पर बुलियन की तेजी सीमित रह सकती है, हालांकि, निचले स्तरों पर घरेलू मांग से सहारा बना हुआ है। एनर्जी सेक्टर की बात करें, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की बढ़त दर्ज की गई है।

ब्रेंट क्रूड वायदा 0.40 से 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 92.57 से 92.94 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 83.41 से 83.73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके विपरीत घरेलू वायदा बाजार में रुपये की मजबूती और ऊपरी स्तरों पर बिकवाली के चलते एमसीएक्स पर 18 दिसंबर की एक्सपायरी वाला कच्चा तेल 1.11 से 1.74 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,475 रुपये से 7,720 रुपये प्रति बैरल के दायरे में कारोबार कर रहा है। नेचुरल गैस के फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट में भी दो से तीन प्रतिशत के बीच उतार-चढ़ाव के साथ 329.20 से 335.80 रुपये प्रति एमएमबीटीयू के आसपास कारोबार जारी है। औद्योगिक धातुओं यानी बेस मेटल्स के बाजार में शाम के सत्र में मिला-जुला रुख बना हुआ है। एमसीएक्स पर 30 नवंबर की एक्सपायरी वाला कॉपर वायदा 3.63 प्रतिशत की शानदार तेजी के साथ 1,194.75 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर मजबूती से कारोबार करता हुआ नजर आया। दूसरी ओर, एल्यूमिनियम वायदा में ऊपरी स्तरों पर हल्की मुनाफावसूली दर्ज की गई और यह 0.60 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 317.30 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। बाजार के तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार छुट्टी के कारण केवल शाम का सत्र खुला होने से आज बाजार में वॉल्यूम सामान्य दिनों के मुकाबले कुछ सीमित रह सकता है। जानकारों का मानना है कि अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और डॉलर इंडेक्स की चाल पर ट्रेडर्स की नजर बनी हुई है, जहां सोने के लिए 1,24,500 रुपये और चांदी के लिए 1,50,000 रुपये का स्तर सबसे अहम पिवट प्वाइंट साबित होगा। दूसरी ओर, नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज यानी एनसीडीईएक्स पर आज सुबह और शाम दोनों सत्रों में कारोबार पूरी तरह बंद होने के चलते जीरा, हल्दी, धनिया, ग्वार सीड, ग्वार गम, बिनौला खली और अरंडी के फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट्स में आज कोई ट्रेडिंग नहीं हुई। सभी कृषि जिंसों के भाव सोमवार के बंद स्तर पर स्थिर बने हुए हैं, जहां जीरा 27,100 रुपये, धनिया 14,202 रुपये, ग्वार गम 15,650 रुपये और ग्वार सीड 8,062 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ था। एनसीडीईएक्स पर अब अगला नियमित कारोबार बुधवार सुबह शुरू होगा।

कार्तिक पूर्णिमा व श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा साहिब में टेका मत्था

उधमसिंहनगर। कार्तिक पूर्णिमा एवं सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को खटीमा स्थित गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर मत्था टेका तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश की निरंतर उन्नति और जनकल्याण की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन और उपदेशों के माध्यम से संपूर्ण मानव समाज को मानवता और परोपकार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं समाज में आपसी प्रेम, एकता और समरसता को मजबूत करने के साथ ही जरूरतमंदों की सेवा करने का मार्ग प्रशस्त करती हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र एवं राज्य सरकार सिख समाज की आस्था, धार्मिक विरासत और ऐतिहासिक तीर्थस्थलों के संरक्षण एवं विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उत्तराखंड में भी श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेक



महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में हेमकुंड साहिब में रोपवे निर्माण की महत्वाकांक्षी परियोजना तथा रीठा साहिब के समीप धर्मशाला निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से श्रद्धालुओं की यात्रा अधिक सुगम होगी और प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। धामी ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि होने के साथ-साथ विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं के समन्वय की भूमि भी है। राज्य सरकार सभी धार्मिक स्थलों के विकास, श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा प्रदेश की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सभी को कार्तिक पूर्णिमा एवं प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश की एकता, अखंडता और सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)